राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

कैसी ये यारियां
4 में माणिक...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 18 नवंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 328 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

समुद्री सुरक्षा के प्रति बेहद गंभीर है भारत, मालाबार युद्धाभ्यास के साथ ही तटरेखा पर अभ्यास ने दहलाया दुश्मनों का दिल

नई दिल्ली। चतुर्भुज सुरक्षा संवाद यानि क्वॉड देशों की नौसेनाओं के बीच समुद्री अभ्यास मालाबार का 26वां संस्करण काफी सफल रहा। जापान के योकोसूका में आयोजित किये गये बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया और अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस युद्धाभ्यास पर चीन की नजर भी बनी हुई थी क्योंकि उसका मानना है कि क्वॉड समूह का गठन ही चीन विरोध के लिए हुआ है। जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स द्वारा आयोजित इस युद्धाभ्यास में भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व शिवालिक और कमोर्ता नामक जंगी जहाजों ने किया। इसके अलावा टोही विमान, हेलीकॉप्टर और अन्य पनडुब्बियां भी अभ्यास में भारत की ओर से शामिल हुईं। भारत के दोनों जंगी जहाजों की खासियत की बात करें तो आईएनएस शिवालिक जहां ब्रह्मोस जैसी ताकतवर मिसाइलों से लैस है तो साथ ही यह पानी की गहराई में भी दुश्मनों को खोज निकाल कर उन्हें तबाह करने की क्षमता रखता है। पानी पर 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ने वाले आईएनएस शिवालिक ने मालाबार युद्धाभ्यास के दौरान जिस तरह के हैरतअंगेज कारनामे दिखाये उससे दुश्मन देशों के माथे पर पसीना आना वाजिब है। वहीं अगर आईएनएस कमोर्ता की विशेषताओं पर नजर डालें तो यह जहां एक ओर परमाणु, रासायनिक और जैविक युद्ध लड़ने में सक्षम है वहीं यह दुश्मन के रडार से पूरी तरह बचने में भी माहिर है। 6500 किमी की रेंज वाला आईएनएस कमोर्ता का 90 फीसदी हिस्सा भारत में ही बनाया गया है इसलिए यह मेक इन इंडिया की भी बड़ी मिसाल है। हम आपको यह भी बता दें कि साल 1992 में

मालाबार अभ्यास की शुरुआत हुई थी लेकिन उस समय यह भारत और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच ही होता था। साल 2015 में जापान इसका हिस्सा बना और फिर साल 2020 में आस्ट्रेलिया भी इससे जुड़ गया जिससे इस युद्धाभ्यास पर दुनिया भर की नजरें टिकी रहती हैं। इस बार के युद्धाभ्यास में आज के दौर की जटिलताओं से निबटने के कौशल का प्रदर्शन किया गया साथ ही उच्च तकनीकों का उपयोग कर दुश्मनों के दिल को दहलाया गया। इसके अलावा मालाबार युद्धाभ्यास के दौरान चारों देशों के युद्धपोतों के बीच सी–राइडर्स का आदान–प्रदान भी किया गया। युद्धाभ्यास के दौरान चारों नौसेनाओं ने एक दूसरे की परिचालन क्षमता को जाना और समझा और समुद्री चुनौतियों से एक साथ निबटने के प्रयासों का प्रदर्शन किया। साथ ही इस दौरान इस बात की भी परख की गयी कि युद्ध की स्थिति में मित्र देश कैसे एक दूसरे के युद्धपोतों में ईंधन भर सकते हैं। देखा जाये तो भारत समुद्री सुरक्षा पर काफी ध्यान दे रहा है इसीलिए बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास के अलावा खुद से भी अभ्यास कर रहा है। इस सप्ताह भारत ने अपनी तटरेखा और विशेष आर्थिक क्षेत्र को कवर करते हुए दो दिवसीय सैन्य अभ्यास किया। इस अभ्यास का मकसद किसी भी स्थिति से निपटने में विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों की जांच करना तथा समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना था। हम आपको बता दें कि मुंबई आतंकी हमलों के बाद समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए किये गए विभिन्न उपायों की मंजूरी के लिए इस तरह के अभ्यास के संबंध में 2018 में विचार किया गया था। समुद्री निगरानी का पहला अभ्यास जनवरी 2019 में हुआ था। इस लिहाज से इस बार का अभ्यास इसका तीसरा संस्करण है। उल्लेखनीय है कि यह अभ्यास प्रमुख 'थिएटर लेवल रेडीनेस ऑपरेशनल एक्सरसाइज' (ट्रोपेक्स) की तैयारी है, जिसे भारतीय नौसेना हर दो साल में आयोजित करती है। इस अभ्यास के दौरान निगरानी और ट्रोपेक्स मिलकर समुद्री सुरक्षा की सभी चुनौतियों से निबटने में सफल रहे। इस अभ्यास के लिए भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल, सीमा शुल्क विभाग तथा अन्य समुद्री एजेंसियों की संपत्तियों को तैनात किया गया था। भारत की 7516 किलोमीटर लंबी तटरेखा और विशेष आर्थिक क्षेत्र में किये गये इस अभ्यास में मत्स्य और तटीय समुदायों समेत अन्य समुद्री पक्षकारों के साथ ही सभी तटीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे।

गुजरात की सत्ता बचाने के लिए सीएम योगी को प्रचार में उतारेगी बीजेपी

लखनऊ। गुजरात में 27 साल से सत्ता में मौजूद भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से राज्य में अपनी सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकने जा रही है। इस क्रम में भाजपा ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कई केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की जनसभाएं कराने की योजना बनाई है। दूसरी ओर राज्य में

नामांकन दाखिल करने और विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार का काम भी जारी है। उम्मीदवार जनता का समर्थन हासिल करने के लिए नये नये तरीके इजाद कर रहे हैं। वहीं असदुदीन ओवैसी अपना पुराना राग हर जगह अलापते फिर रहे हैं। जहां तक भाजपा के बड़े नेताओं की रैलियों की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां लगातार तीन दिन देने वाले हैं तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुजरात में मोर्चा संभाले ही हुए हैं। इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री और पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शुक्रवार को गुजरात की 89 विधानसभा क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करेंगे। हम आपको बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत इन सभी 89 क्षेत्रों में एक दिसंबर को मतदान होना है। मतदान की तिथि समीप आते ही भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को और धार देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में नड्डा नवसारी, अंकलेश्वर और राजकोट पूर्व में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे जबकि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, नरेन्द्र सिंह तोमर और अनुराग ठाकुर तीन–तीन, चार–चार रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी तीन से चार चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री वीके सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते सहित तथा कई अन्य केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता भी चुनावी राज्य में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करेंगे।

क्या कोवाक्सिन को पॉलिटिकल प्रेशर में दी गई थी मंजूरी? भारत सरकार ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भ्रामक और गलत कहा है, जिसमें दावा किया गया है कि राजनीतिक दबाव के कारण भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन संबंधि ा मंजूरी को लेकर जल्दबाजी की बात कही गई थी। केंद्र ने इन आरोपों का खंडन किया कि भारत बायोटेक को भारत के पहले स्वदेशी रूप से विकसित एंटी–कोविड वैक्सीन कोवाक्सिन के निर्माण के लिए दी गई मंजूरी में अनियमितताएं थीं। ये मीडिया रिपोर्ट पूरी तरह से भ्रामक, भ्रामक और गलत जानकारी देने वाली हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत सरकार और राष्ट्रीय नियामक यानी सीडीएससीओ ने आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के लिए कोविड–19 टीकों को मंजूरी देने में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और निर्धारित मानदंडों का पालन किया है। सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीडीएससीओ की विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की पिछले साल 1–2 जनवरी को बैठक हुई थी और विचार–विमर्श के बाद, इसने भारत बायोटेक द्वारा विकसित कोविड–19 वैक्सीन के प्रतिबंधित आपातकालीन अनुमोदन के प्रस्ताव के संबंध में सिफारिशें की थीं। जनवरी 2021 में कोवाक्सिन को प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग के लिए अनुमोदित किए जाने से पहले, विषय विशेषज्ञ समिति ने टीके की सुरक्षा और प्रतिरक्षण क्षमता पर डेटा की समीक्षा की और चिकित्सीय परीक्षण मोड में प्रचुर सावधानी के रूप में जनहित में आपातकालीन स्थिति में प्रतिबंधित उपयोग की अनुमति देने की सिफारिश की। गौरतलब है कि इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वैक्सीन के लिए किए गए क्लिनिक ट्रायल के तीन चरणों में कई अनियमितताएं थीं। वहीं इन आरोपों पर भारत बायोटेक ने कहा कि कुछ चुनिंदा व्यक्तियों और ग्रुप ने कोवैक्सीन के खिलाफ कही गई बातों की हम निंदा करते हैं।

किसानों की मांग नहीं हुई पूरी, SKM का ऐलान- 26 नवंबर को राज भवनों तक होगा मार्च, 19 नवंबर को मनाएहे 'फतह दिवस'

लखनऊ। देश में तीन कृषि कानूनों को लेकर लगभग 1 साल तक किसानों का आंदोलन चला था। दिल्ली के अलग–अलग बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा के अंतर्गत विभिन्न राज्यों के किसानों ने आंदोलन किया था। हालांकि, पिछले साल गुरु

नानक जयंती के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने का ऐलान किया था जिसके बाद संयुक्त किसान मोर्चा के रुख में थोड़ी नरमी आई। सरकार ने उनकी मांगों को लेकर आश्वासन भी दिया था। हालांकि, अब किसान मोर्चा का यह दावा है कि आश्वासन मिलने के बाद भी हमारी मांगे पूरी नहीं हुई है। इसी को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा 26 नवंबर को पूरे देश में राज भवन उत्तर मार्ग निकालेगा। इतना ही नहीं, 19 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से 'फतह दिवस' मनाया जाएगा। अपने बयान में संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि 19 नवंबर को 'फतह दिवस' के रूप में मनाया जाएगा क्योंकि पिछले साल इसी दिन केन्द्र सरकार ने विवादित कृषि कानूनों को वापस लेने का आदेश दिया था। इसके साथ ही बयान में कहा गया है कि एक से 11 दिसंबर तक सभी राजनीतिक दल के लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के कार्यालयों तक मार्च करेंगे। किसान नेता दर्शन पाल ने कहा कि किसान आंदोलन के अगले चरण पर फैसला करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा की एक बैठक आठ दिसंबर को करनाल में होगी। इससे पहले भी एसकेएम ने बयान जारी कर कहा था कि बैठक में फैसला किया गया कि एसकेएम किसानों के ऐतिहासिक संघर्ष के दो साल पूरे होने के अवसर पर 26 नवंबर को बड़े पैमाने पर राजभवनों तक किसान मार्च निकालेगा। वहीं, राकेश टिकैत ने कहा था कि आंदोलन को खत्म करने के लिए सरकार की ओर से कई बड़े वादे किए गए थे। लेकिन सरकार ने जो भी वादा किया, वह आज तक पूरा नहीं हो पाया है।

नफरत और डर के खिलाफ है भारत जोड़ो यात्रा, राहुल गांधी बोले– देश के संस्थानों पर भाजपा का कब्जा

मुंबई। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। भारत छोड़ो यात्रा फिलहाल महाराष्ट्र में है। आज राहुल गांधी ने एक बार फिर से भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि देश के संस्थानों पर भाजपा ने पूरी तरीके से कब्जा कर लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 8 साल में देश में डर नफरत हिंसा फैली है। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष की आवाज को दबाया जाता है। संसद में बोलने के दौरान माइक ऑफ हो जाती है। इसके साथ ही भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोग बेरोजगारी और महंगाई से परेशान है। उन्होंने कहा कि भारत को जोड़ना मेरा लक्ष्य है। भारत छोड़ो यात्रा से मैं बहुत कुछ सीख रहा हूं। महात्मा गांधी से हमारी तुलना करना ठीक नहीं है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने कहा कि मुझे दो बड़ी समस्याएं दिखाई देती हैं– युवाओं को नौकरी मिलने का भरोसा नहीं है और किसानों को कहीं से समर्थन नहीं मिलता है। तीसरा आपस में जुड़ा हुआ है– लोग शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए भुगतान कर रहे हैं क्योंकि सरकारी स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बंद हो रहे हैं, तो पैसा कहां जा रहा है? राहुल गांधी ने वीर सावरकर की चिट्ठी भी पढ़कर सुनाएं और दावा किया कि सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सावरकर ने गांधी नेहरू और पटेल को धोखा दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह यात्रा एक सोच है, काम करने का तरीका है। इसके साथ ही उन्होंने किसानों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों की बात सुने जाने क्या जरूरत है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वीर सावरकर ने अंग्रेजों को लिखे एक पत्र में कहा, ष्सर, मैं आपके सबसे आज्ञाकारी सेवक बने रहने की विनती करता हूं और उस पर हस्ताक्षर किए। सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की। उन्होंने डर के मारे पत्र पर हस्ताक्षर करके महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे नेताओं को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि देश समस्याओं से जूझ रहा है, ये समस्याएं बीजेपी सरकार की विफल नीतियों का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा हर समस्या को प्रमुखता से उठाने का मंच है। हम इन मुद्दों पर युवा, महिला, किसान, मजदूर व आम जन के साथ हैं।

लुप्त होती खपरैल कला को कश्मीर में पुनर्जीवित करने के लिए लगायी गयी फोटो प्रदर्शनी

आपने मिट्टी के खपरैल का नाम तो सुना ही होगा जिसे खनियारी टाइल के रूप में भी जाना जाता है। आजकल यह बहुत कम ही देखने को मिलती हैं क्योंकि मिट्टी के घर अब बनते नहीं हैं। इस तरह यह पुरानी कला दम तोड़ती जा रही है। लेकिन कश्मीर में इसे पुनर्जीवित करने का काम शुरू किया गया है। एक युवा वास्तुकार जोया खान ने श्रीनगर में एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसमें मिट्टी के खपरैलों की खूबसूरती को दर्शाया गया। प्रभासाक्षी से बातचीत करते हुए जोया ने कहा कि इस प्रदर्शनी के आयोजन के पीछे उनका उद्देश्य इस बात पर प्रकाश डालना था कि कश्मीर में बनने वाली मिट्टी की टाइलें बहुत कुछ कहती हैं और यहां के कला सौंदर्य को भी दर्शाती हैं। हम आपको बता दें कि कश्मीर के हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग द्वारा इस प्रदर्शनी के आयोजन में सहयोग किया गया था। प्रदर्शनी में भाग लेने के दौरान हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग के निदेशक महमूद शाह ने कहा कि इस तरह की कला और शिल्प के पुनरुद्धार के लिए इस तरह की प्रदर्शनियों का आयोजन महत्वपूर्ण है। इस प्रदर्शनी में में सरकारी अधिकारियों, शिक्षाविदों, छात्रों और जीवन के अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लिया।

प्रदूषण को लेकर नीतीश सरकार पर बरसे प्रशांत किशोर, कहा– प्रदूषण मापने वालों को ज्ञान ही नहीं

पटना। भले ही बिहार में महागठबंधन की सरकार स्थिरता के साथ चल रही है लेकिन कहीं ना कहीं प्रसाद शोर जबरदस्त तरीके से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर एक बार फिर से प्रशांत किशोर ने प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है उन्होंने अपने जन सुराज यात्रा के दौरान साफ तौर पर कहा कि बिहार में प्रदूषण मापने वालों को कोई भी ज्ञान नहीं है प्रशांत किशोर ने कहा कि सभी जगह दिल्ली में वायु प्रदूषण की चर्चा हो रही है लेकिन देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 7 बिहार में है उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार में प्रदूषण मापने वालों को कोई ज्ञान नहीं है या फिर सरकार की होम डिलीवरी वाली शराबबंदी से नाराज होकर अधिकारी गलत आंकड़े दे रहे हैं प्रशांत किशोर ने यह बातें अपनी ट्वीट में लिखी है। प्रशांत किशोर ने लिखा कि दिल्ली के वायु प्रदूषण की चर्चा है, जबकि देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 7 शहर बिहार के हैं। नीतीश कुमार जी लगता है, प्रदूषण नापने वालों को भी कोई ज्ञान नहीं हैं या फिर सब आपके भ्वउम क्मसपअमतल वाले शराबबंदी से नाराज होकर गलत आँकड़े दे रहे हैं! आपको बता दें कि प्रशांत किशोर लगातार बिहार के मुख्यमंत्री पद हमलावर है। बिहार में 13 शहरों में वायु प्रदूषण खराब श्रेणी में है। इसमें सीवान, बेतिया, बेगूसराय, पूर्णिया समेत कई जिले हैं। लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। इससे पहले प्रशांत किशोर ने खुद के चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार किया था लेकिन अपने गृह राज्य बिहार के लिए एक ''बेहतर विकल्प'' बनाने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई।

ग्राम सचिवालय का सांसद ने किया उद्घाटन

मिल्कीपुर–अयोध्या । मिल्कीपुर तहसील अंतर्गत अमानीगंज विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत भीखी का पुरवा गांव में मनरेगा योजना से 1000000 लाख 25 हजार एव राज्य वित्त योजना 9 लाख 7 हजार रुपए की लागत से बने ग्राम सचिवालयध पंचायत भवन का उद्घाटन बुधवार को सांसद लल्लू सिंह ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद लल्लू सिंह ने केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि गांव गरीब महिलाओं दलित शोषित पीड़ित व दबे कुचले लोगों के लिए भारतीय जनता पार्टी एक वरदान के रूप में साबित हुई है। भाजपा सबका साथ सबका विकास को लेकर चलने वाली पार्टी है।आज हर एक जरूरतमंदों को निशुल्क राशन तथा किसान भाईयों को किसान सम्मान निधि के रूप में प्रति वर्ष 6000 रुपये की राशि प्रदान कर रही है। जिससे आम जनमानस की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी हो रही हैं। इसी क्रम में अमानीगंज ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पवन सिंह ने भी ग्रामीणों को बताया कि सरकार ने पंचायत भवनध्ग्राम सचिवालय भवनों का निर्माण इसलिए करवाया है कि एक ही छत के नीचे ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, लेखपाल, पंचायत सहायक समेत ग्राम पंचायत के अन्य कर्मचारियों बैठेगें और ग्रामीण जनता की समस्याओं का निदान मौके पर ही करेंगे। सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों की नियुक्ति कर चुकी है, इन्हीं पंचायत सहायकों द्वारा सरकार द्वारा गरीबों तक पहुंचाई जाने वाली हर सुविधा मुहैया कराएंगे। अब जनता को ब्लॉक तहसील व जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इस मौके पर भीखी का पुरवा प्रधान विजय कुमार गोस्वामी,रानू सिंह ,गौतम सिंह, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, उमा नाथ पाण्डेय, भास्कर, गंगादीन रावत, अजीत कौशल, जिला पंचायत सदस्य अशोक मिश्रा समेत ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फार्मेसी डिग्री के नाम पर लाखों रूपया लेकर संस्था संचालक फरार

–पीड़ित छात्र–छात्राओं ने थाना पुलिस को दी तहरीर

गोसाईगंज–अयोध्या । गोसाईगंज कोतवाली इलाके में फार्मेसी डिग्री के नाम पर छात्र छात्राओं के साथ एक संस्था ने क्रूर मजाक किया है। संस्था संचालक ने दर्जनों छात्र छात्राओं का लाखों रुपया लेकर अपने सहयोगियों के साथ फरार हो गया।पाँच दिन बाद 17 पीड़ितों ने गोसाईंगंज थाने में तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।गोसाईंगंज कोतवाली के चन्द्रदीप गांव में बीते 9 जून को किराए के भवन में पी डी मेमोरियल पैरामेडिकल कालेज एवं अस्पताल ट्रस्ट के नाम की संस्था का उद्घाटन किया। संचालक के एल भारती व उप संचालक राजेन्द्र कुमार ने इसका उद्घाटन एक विधायक से कराया व इलाके के प्रतिष्ठित लोंगो को विशिष्ट अतिथि भी बनाया।उद्घाटन के बाद एडमिशन शुरू हुआ और 2 दर्जन से अधिक छात्र छात्राओं से कई लाख रुपए की वसूली भी कर ली गई,लेकिन उन्हें न तो आईकार्ड दिया गया और न ही कभी क्लास चला।अलबत्ता तीन छात्राओं को अस्पताल में 3000 प्रतिमाह के नामपर नौकरी पर भी रख लिया गया।

उक्त छात्रायें अस्पताल में सीखने की गरज से नौकरी तो कर ली लेकिन उन्हें चौका बर्तन झाड़ू पोंछा कराया गया, कारण अस्पताल में न मरीज आये और न ही डॉक्टर आये।पिछले 6 महीने से संचालित किया जा रहे संस्था में जब कब छात्रों ने आई कार्ड मांगा तो संचालक गोल मटोल करने लगे। इस बीच छात्रों का दबाव बढ़ता देख संचालक पांच दिन पूर्व सहयोगियों के साथ रफू चक्कर हो गया। मंगलवार को पीड़ित छात्राएं व छात्र दीक्षा, कुसुम,इशरत जवी अंसारी, खुशबू प्रजापति, श्रद्धा ,मो अव्वालीन प्रमोद, अर्चिता सहित डेढ़ दर्जन पीड़ितों ने एकजुट होकर मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की है।एसएचओ अक्षय कुमार ने बताया कि मुकदमा अभी दर्ज नही किया गया है। सीएमओ व जिलाधिकारी को पत्र भेजकर दिशा निर्देश माँगा गया है।

सीडीओ ने विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

–खेल मैदान के चारों तरफ ट्रैक बनाने व बैरिकेडिंग लगाकर गेट लगाने का दिया निर्देश

बीकापुर–अयोध्या । मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव ने विकास खंड मसौधा के ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण कर वहां चल रहे कार्यों का स्थलीय सत्यापन किया। विकासखंड मसौधा के कार्यो के स्थलीय सत्यापन में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती यादव ने कार्य प्रारंभ के पूर्व राजस्व टीम से पैमाइश के बाद ही कार्य प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए। सीडीओ श्रीमती यादव विकासखंड के ग्राम पंचायत गोपालपुर पहुंचकर वहां चल रहे प्राथमिक विद्यालय के बगल खेल मैदान के समतलीकरण कार्य को देखा , उन्होंने खेल मैदान को पहले राजस्व टीम से नपाकर पूरे खेल के मैदान पर कार्य कराने का निर्देश दिया । कार्य की गुणवत्ता तथा मजदूरों की संख्या की कमी पर उन्होंने सचिव, रोजगार सेवक एवम टी ए को फटकार लगाई। उन्होंने खेल के मैदान के चारों तरफ ट्रैक बनाने, बैरिकेडिंग लगाकर गेट लगाने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने ग्राम पंचायत रायपुर पहुंचकर रामबचन के खेत से रामचरन के खेत तक पट रहे चकरोट का अवलोकन किया। चकरोड के बीच में लटकते हुए पेड़ को डाली को छटाई कराने का निर्देश दिया। लटकते हुए पेडो की डाली से ट्रैक्टर – ट्राली एवं अन्य साधन का खेतों तक पहुंचना दुर्लभ है। हरीपुर जलालाबाद पहुंचकर हूसेपुर मार्ग से बनबीरपुर तालाबाग तक चकरोड पटाई कार्य का भी निरीक्षण किया यहां उपस्थित लेखपाल से तत्काल चकरोट नाप कर अतिक्रमण हटाने के साथ बगल के भी चकरोड को नापने एवं अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ श्रीमती यादव पंचायत भवन रायपुर पहुंचकर सचिव यास्मीन बानो एवं पंचायत सहायक सुश्री शारदा देवी से आयुष्मान कार्ड की समीक्षा किया। सीडीओ श्रीमती यादव ने सभी ग्राम पंचायतों में 100 परसेंट आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सचिव यास्मीन बानो को मेहनती बताते हुए उनके कार्यों की प्रशंशा किया। मुख्य विकास अधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से खंड विकास अधिकारी रशेष कुमार गुप्ता, संयुक्त खंड विकास अधिकारी बद्री प्रसाद वर्मा, एपीओ अतुल पांडे, सहायक विकास अधिकारी आईएसबी नरेंद्र कुमार पांडे, जेएमआई सुरेश कुमार शुक्ला, सचिव अनिल कुमार दुबे, अखिलेश सिंह, जितेंद्र कुमार वर्मा, कार्तिकेय पांडे, राजेंद्र पांडे, निखिल कुमार श्रीवास्तव, महानुभाव प्रियदर्शन मिश्रा , टी ए अशोक कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार यादव, उदय सिंह, सुरेश कुमार , आशीष कुमार सहित संबंधित ग्राम प्रधानगण एवं रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

विद्युत कर्मचारी बड़ी महाधिवेशन को बनाये सफलः पंकज कुमार सेठ

अयोध्या। विद्युत कर्मचारी मोर्चा संगठन का दो दिवसीय 43वां वार्षिक महाअधिवेशन राजधानी लखनऊ के रवींद्रालय प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। जिसकी जानकारी देते हुए अयोध्या जोन के जोनल अध्यक्ष पंकज कुमार सेठ ने सभी विद्युत कर्मचारियों को भारी से भारी संख्या में लखनऊ पहुंचकर महाधिवेशन को सफल बनाने की अपील की गई है। अयोध्या जोन के जोनल अध्यक्ष पंकज कुमार सेठ ने बताया कि महाअधिवेशन में विजली सुधार और कर्मचारियों के समस्याओं के समाधान को लेकर क्रांति की घोषणा की जाएगी। भ्रष्टाचार एंव अन्य अनियमितताओं को समाप्त कर निजीकरण का प्रस्ताव वापल लेने, पुरानी पेंशन बहाली, कर्मचारियों को 22बी का लाभ देने, कर्मचारियों की पदोन्नति, चिकित्सा प्रतिपूर्ति और आयकर की कटौती बंद करने, समयबद्ध वेतन की पुरानी व्यवस्था बहाल करने समेत 12 बिन्दुओं को रखा जाएगा।

कांस्टेबल के बेटे ने खुद को मारी गोली: बघीते दो साल से मानसिक तनाव में था

मौत से पहले पिता को किया फोन,आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर किया हंगामा

कानपुर। शहर के गुजैनी थाना क्षेत्र में एक युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मामला अम्बेडकर नगर का है,जहां एक सिपाही के बेटे ने पिस्टल से गोली मार ली। मृतक अजीत यादव (22) बघीते दो साल से मानसिक तनाव में चल रहा था,जिसका इलाज लखनऊ में चल रहा था। बता दें कि युवक ने गोली मारने से पहले पिता को फोन लगाया था। उसने कहा कि मैं खुद को गोली मारने जा रहा हूं। जब तक पिता घरवालों को सूचना देते, तब तक युवक ने गोली मार ली। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सुसाइड की खबर पर गुजैनी पुलिस कांस्टेबल के घर पहुंची और शव को कब्जे में लेना चाहा। लेकिन घर वालों ने कहा कि वह शव पुलिस को नहीं सौंपेंगे। मोहल्ले के लोगों से पूछताछ में सुसाइड की वजह प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। पुलिस लड़की से भी पूछताछ की तैयारी में है।

कई सालों से कर रहा था प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

अंबेडकर नगर निवासी शिव प्रताप यादव पनकी थाना क्षेत्र की पीआरवी 0710 में दीवान हैं। परिवार में पत्नी कमलेश कुमारी और बेटे अजीत यादव और अभिषेक उर्फ छोटू यादव थे। इसी मकान में शिव प्रताप के छोटे भाई आर्मी में तैनात सूबेदार अजय पाल यादव का परिवार भी रहता है, इनदिनों वह छुट्टी पर आए थे। रिश्तेदार राजेश कुमार ने बताया कि अजीत कई सालों से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा तब। वह सिविल सेवा परीक्षा भी दे चुका है। असफल होने पर वह तनाव में रहने लगा था। करीब चार साल से उसका मनोचिकित्सक से इलाज भी चल रहा था।

बुधवार सुबह उसके पिता ड्यूटी पर थे,जबकि अन्य सदस्य घर के अलग अलग कमरों में थे। इसी बीच अजीत ने चाचा की लाइसेंसी पिस्टल से कनपटी पर गोली मार ली। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एसीपी समेत गुजैनी थाने का फोर्स पहुंचा। जांच के लिए मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किये। वहीं, आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर दिया और परिजन पोस्टमार्टम से ना कराने को लेकर अड़े रहे। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है। परिजन कुछ प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

डॉ. अजय अध्यक्ष व डॉ. रसई अहमद चुने गये सचिव

अयोध्या । प्रांतीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा संघ उत्तर प्रदेश की अयोध्या इकाई का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। सदस्यों ने एकमत से पुनः डॉ अजय कुमार को अध्यक्ष, डॉ मनोज कुशवाहा को उपाध्यक्ष और डॉ रईस अहमद को सचिव चुना है। प्रदेश कार्यसमिति की ओर से चुनाव अधिकारी बस्ती के डॉ राकेश कुमार भेजे गये थे ।अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पद पर एक एक नामांकन पत्र प्राप्त होने पर चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में जिले में तैनात सभी चिकित्साधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रान्तीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा संघ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष डॉ चन्द्र गोपाल पाण्डेय, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ घनश्याम चौधरी, डॉ आलोक त्रिपाठी, डॉ धर्मेंद्र सिंह, डॉ अभिषेक वर्मा, डॉ एम पी सिंह, डॉ पंकज सिंह.. डॉ राम शब्द यादव ,डॉ विपिन पाण्डेय, डॉ गरिमा कुशवाहा, डॉ शकुंतला गुप्ता, डॉ रमाकांत, डॉ सुनील कुमार,डॉ आशुतोष राय आदि उपस्थित रहे।

नेवर पेड उपभोक्ताओं की तलाश में विभाग, महाअभियान के बावजूद उपभोक्ताओं ने नही दिखाई बिल जमा करने में रुचि

उन्नाव। विद्युत बिल बकायेदारों के विरुद्ध अभियान में नेवर पेड उपभोक्ता लगातार मुसीबत बने हुए हैं। इस वक्त एक लाख 19 हजार 767 उपभोक्ता ऐसे हैं। जिन्होंने कनेक्शन लेने के बाद बिजली बिल का भुगतान एक बार भी नहीं किया। इनमें से अधिकांश उपभोक्ताओं का संयोजन पांच से दस साल पुराना भी है। अब तक अधिकारियों व अवर अभियंताओं की साठगांठ से बिना बिल चुकाए बिजली का उपभोग करते रहे। अब मध्यांचल अफसरो से दबाव बना तो अभियंताओं के हाथ–पांव फूल गए। बीते एक नवंबर से शुरू हुए महाअभियान के छह दिनों की प्रोग्रेस बाद इनमें से करीब डेढ़ हजार के ऊपर लोगों का कनेक्शन स्थाई रूप से काटने का दावा किया जा रहा है। गौरतलब हो की उपकेंद्र के पांचों बिजली घरों को मिलाकर 8030 उपभोक्ता चिह्नित किए गए हैं। जिन्होंने एक बार भी बिल भुगतान नहीं किया है। पुरवा ग्रामीण में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या 29755 है। 15 दिन के शुरू हुए अभियान के छह दिनों के अंतराल में 3809 लोगों का पैसा जमा कराने की बात अधिकारी कह रहे थे। सबसे ज्यादा खराब हालत हसनगंज खंड के उपभोक्ताओं की है। यहां 101631 उपभोक्ताओ में 37467 लोग नेवर पेड चिह्नित किए गए। इनमें से 9864 उपभोक्ताओं से पैसे जमा कराने का दावा किया जा रहा।

नगर पंचायत भवन का विधायक ने किया लोकार्पण

अयोध्या। जनपद के तहसील सोहावल खिरौनी सुचितागंज में नवगठित नगर पंचायत भवन का लोकार्पण बीकापुर विधायक डा. अमित सिंह चौहान ने हवन–पूजन करके किया। डॉ. चौहान ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार गॉव को भी शहर जैसी सुबिधा कैसे प्राप्त हो इस पर प्रबल ध्यान दे रही है इसीक्रम में मेरी विधानसभा बीकापुर में खिरौनी सुचितागंज को नयी नगर पंचायत बनाकर शहर जैसी सुबिधा प्रदान की है। सड़क ,नाली प्रकाश आदि की आधुनिक सुबिधायें अब यहां प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि पूरी विधानसभा में बेहतर सड़क,नाली प्रकाश ,पेयजलापूर्ति हो इसकी बेहतर व्यवस्था की जा रही है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष भाजपा कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, सूर्य प्रसाद श्रीवास्तव, राम अवतार यादव, अरुण कुमार तिवारी, धन्ना सिंह, नंद कुमार सिंह, सरोज जायसवाल आदि लोग मौजूद रहे।

हाईवे पर पत्थर लदे ट्राला ट्रक की चपेट में आने से बेटी की मौत,मां गंभीर

कानपुर। सचेंडी के चकरपुर मंडी के पास हाईवे पर पत्थर लदे ट्राला ट्रक की चपेट में आने से मां–बेटी गंभीर घायल हो गईं। हादसे में बेटी की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल मां एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हाईवे पर ट्राला ट्रक छोड़कर आरोपित चालक फरार हो गया। सचेंडी के जुगराजपुर गांव निवासी अंजुल मिश्रा पावर ग्रिड स्थित पोस्ट ऑफिस में डाकिए के पद पर कार्यरत हैं। बुधवार सुबह उनकी पत्नी उर्मिला (40) और बेटी प्रीति उर्फ गौरी (19) निजी अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार को देखने जाने के लिए घर से निकली थी। चकरपुर मंडी के पास हाईवे पार करते समय मां–बेटी कानपुर देहात की ओर से आ रहे पत्थर लदे ट्राला की चपेट में आ गईं। हादसे में बेटी प्रीति की मौके पर मौत हो गई, जबकि मां उर्मिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल महिला को एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनकी भी हालत नाजुक बताई जा रही है। सचेंडी थाना प्रभारी प्रदुमन सिंह ने बताया कि ट्राला ट्रक छोड़कर मौके से भागे चालक का पता किया जा रहा है।उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी, घटना के संबंध में पारिवारिक जनों को सूचना दी गई है। हाईवे पार करते समय मां–बेटी सबसे पहले एक बाइक सवार से टकराते हुए बची थीं। इस पर फल का ठेला लगाए दुकानदार ने पचास कदम की दूरी पर बने अंडरपास से जाने की सलाह दी थी। अंडरपास दूर होने की बात कहते मां–बेटी ने उसकी बात को अनसुना कर दिया था और हाईवे पर आगे बढ़ गईं।

प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग,मची अफरातफरी

कानपुर। शहर के घनी आबादी क्षेत्र की तंग गलियों में प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लग गई। जिससे पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग लगने की घटना संकरी गली में हुई। जिससे आग बुझाने में घंटों का समय लग गया। मूलगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत खोया बाजार में अधिवक्ता रितेश सोनकर के मकान में प्लास्टिक के गोदाम में बुधवार देर शाम भीषण आग लग गई। गोदाम में किसी भी प्रकार के आग के इंतजाम नहीं थे। धीरे–धीरे आग बढ़ने लगी तो आसपास के लोग अपनी–अपनी दुकान बंद कर भागने लगे। आग लगने की सूचना में क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। इस दौरान बिल्डिंग में भी आग पकड़ने से कई लोग फंस गए। सूचना पाकर दमकल की कई गाड़ियां पहुंची, दमकल कर्मियों ने किसी तरह फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। साथ ही आग को भी बुझा लिया है।

डेंगू का प्रकोप नियंत्रण से बाहर,59 नए संक्रमित मिले

कानपुर। जिले में डेंगू का प्रकोप नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। शहर में डेंगू का प्रकोप थम नहीं रहा है। बुधवार को 59 नए मरीज मिले। चिंता की बात यह है कि डेंगू मरीजों की हालत कुछ घंटे में ही बिगड़ रही है, इसलिए मरीजों के भर्ती होने का ग्राफ भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, उर्सला में बुधवार को 185 सैम्पल लिए गए, जिसमें से 39 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई। यहां पर पॉजिटिविटी रेट 21.08 फीसदी रहा। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की रिपोर्ट में 162 सैम्पलों में 20 में संक्रमण मिला। पॉजिटिविटी रेट 12.35 फीसदी रिकॉर्ड किया गया। कुल 347 सैम्पल लिए गए जिनमें 59 मरीज संक्रमित निकले।

संचारी रोगों की रोकथाम व दस्तक अभियान को वृहद रूप देने के लिए अभियान जारी

32 वार्डों में एक साथ कराया जा चुका एंटी लार्वा छिड़काव

उन्नाव। बदलते मौसम में संचारी रोगों के रोकथाम के लिए पालिका ने तैयारियां तेज कर दी है। पालिका के कार्य की निगरानी करने व पड़ताल के लिए डीएम के निर्देशन बाद जिला स्तरीय अफसरो को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वार्डवार निरीक्षण करने व नजर रखने के लिए भी अलग–अलग कई विभागध्यक्षो को भी लगाया गया है। डीएम ने सख्ती से अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहां की शहर से गांव तक रोस्टर बनाकर रोजाना सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। संक्रामक बीमारियों के रोकथाम के लिए एंटी लार्वा व फागिंग निरंतर कराया जाता रहे। शिकायत पर तत्काल समस्या का निस्तारण कराया जाए। शहर से गांव तक ड़ेंगू का प्रकोप है। जिला अस्पताल से लगाकर प्राइवेट वार्ड तक इन्हीं मरीजो से बेड फुल है। अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार एक सैकड़ा के ऊपर मरीज जिले भर में संक्रमित सिर्फ डेंगू के निकले है। इस बीच एक नवम्बर से तीस नवम्बर तक संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान भी जारी है। पालिका के ढुलमुल रवैये पर डीएम ने नाराजगी जाहिर की तो एडीएम न्यायिक ने शहर की व्यवस्था को दुरुस्त करने की रूपरेखा तैयार कराकर पालन के निर्देश दिए। बीते दिनों पालिका परिसर से आधा सैकड़ा कर्मियों को रवाना किया गया। इसी क्रम में पालिका के 35 कर्मियों की टोली ने पिट्ठू मशीन के सहारे एंटी लार्वा का छिड़काव पूरा किया। 32 वार्डों में से डेंगू से अधिक प्रभावित वार्डो में वृहद स्तर पर साफ–सफाई, फॉगिंग का छिडकाव भी किया गया। एडीएम न्यायिक व नगर निकाय प्रभारी विकास कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया, जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सभी नगर निकायों में संचारी रोगों की रोकथाम हेतु सघन रूप से अभियान चलाकर साफ–सफाई तथा एंटीलार्वा का छिडकाव एवं फॉगिंग करायी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी नगर निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद स्तर पर साफ–सफाई तथा एंटीलार्वा का छिडकाव कराए जाने के लिए ईओ व डीपीआरओ को निर्देशित किया गया। एडीएम ने बताया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

कला, क्राफ्ट प्रतियोगिता में चार शिक्षक जनपद से चयनित

अयोध्या । परिषदीय शिक्षकों के लिए चतुर्थ राज्य स्तरीय कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता में जनपद से उच्च प्राथमिक संवर्ग में अनूप मल्होत्रा (हैरिंग्टनगंज) एवं विनीत कुमार सिंह(मिल्कीपुर) तथा प्राथमिक संवर्ग में अंजू वर्मा और पूनम वर्मा (मसौधा) राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे । जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान(डायट) में उप निदेशकध प्राचार्य संध्या श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में नोडल डॉ सुनील कुमार सिंह व मिथिलेश सिंह के निर्देशन में शिक्षकों ने टी एल एम निर्माण कर उसके संबंध में अपना प्रस्तुतीकरण निर्णायक मंडल के समक्ष किया। जिसमें प्राथमिक संवर्ग में हिंदी,गणित एवं उच्च प्राथमिक संवर्ग में गणित और विज्ञान विषय के शामिल रहे ।

उक्त प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डायट प्रवक्ता कांति वर्मा, रामप्रसाद, प्रतिभा तिवारी एवं मिथिलेश सिंह के द्वारा चयनित अध्यापक अध्यापिकाए दिसंबर माह में एससीईआरटी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इस अवसर पर डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता लालचंद, महेन्द्र वर्मा,पंकज कुमार पटेल, डॉ विवेक पांडेय,डॉ ज्ञानेंद्र सिंह,डॉ शरीफ अहमद,पूजा पाठक पटल सहायक अनमोल, मनीष एवं समस्त प्रशिक्षु आदि उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने ट्रक चालकों को नियमों एवं दुर्घटना के संबंध में दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, गोरखपुर अखिल कुमार तथा पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र, बस्ती आर0के0 भारद्वाज के निर्देशन में दिनांक 17.11.2022 को पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर अमित कुमार आनंद के मार्गदर्शन, सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर पर्यवेक्षण व देवी गुलाम, क्षेत्राधिकारी यातायात के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2022 के दृष्टिगत अमरेश कुमार, प्रभारी यातायात द्वारा ट्रक चालकों को एकत्रित करके उन्हें यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की एवं माह नवंबर के जागरूकता अभियान के बारे में बताया गया एवं साथ ही साथ च। सिस्टमके माध्यम से पुरानी नौगढ़, पकड़ी बाजार, साड़ी तिराहा, बांसी स्टैंड आदि स्थानों पर यातायात जागरूकता से संबंधित प्रचार–प्रसार किया गया एवं पम्पलेट वितरण किया गया एवं वाहन चेकिंग के दौरान खतरनाक तरीके से गाडी चला रहेध्नशे में गाड़ी चलाते हुए चालक, बिना हेलमेट फर्राटा भर रहे वाहनों व यातायात नियमों का पालन न करने वाले वाहनों से यातायात पुलिस द्वारा 67 वाहनो से 76000 व जनपदीय पुलिस द्वारा 41 वाहनों से 39000 कुल 108 वाहनों से 11500 के शमन शुल्क की कार्यवाही की गयी। प्रभारी यातायात द्वारा सड़क पर अतिक्रमण के कारण हो रही दुर्घटनाओं के रोकथाम करने, लोगों को यातायात के नियमों के बारें में जागरुक करने, दो पहिया वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड़ से न चलाने के साथ लोगों व ट्रक चालकों से अपील किया गया की वे अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेल्मेट व सीट बेल्ट के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करे जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओ की संख्या में भारी कमी लायी जा सके।

पशुधन प्रसार अधिकारी संघ ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पशुधन प्रसार अधिकारी संघ उत्तर प्रदेश की मांगों एवं समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रदेश स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं महामंत्री के नेतृत्व में निदेशक पशुपालन विभाग के साथ हुई वार्ता से संबंधित कार्य वृत्ति जारी होने पर पशुधन प्रसार अधिकारी संघ जनपद शाखा सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति एवं मंत्री अवनीश त्रिपाठी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एमपी सिंह को ज्ञापन दिया तथा प्रदेश स्तर पर लिए गए निर्णय को जनपद में भी पालन कराया जाए इस बिंदु पर भी पत्र जारी करने के लिए निवेदन किया। प्रदेश स्तर पर निदेशक महोदय के साथ हुई बैठक में जिन बिंदुओं पर सहमति जताई गई है वह बिंदु–2017 में नियुक्त पशुधन प्रसार अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाए, मथुरा विश्वविद्यालय से डिप्लोमा इन लाइवस्टोक एक्सटेंशन धारकों की नियुक्ति हेतु सेवा नियमावली बनाई जाए, राष्ट्रव्यापी किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्य का आवंटन अलग अलग किया जाए, गौवंशी पशुओं में सेक्स सार्टेड सीमेंन के लक्ष्य का निर्धारण अलग–अलग किया जाए, गौ संरक्षण केंद्रों के भ्रमण एवं अन्य कार्य हेतु सभी का दायित्व निर्धारित किया जाए, विभाग में ऑनलाइन सर्वेक्षण हेतु पशुधन प्रसार अधिकारियों को दायित्व दिया जाए, चारा विकास के विषय पर बीज आवंटन अलग अलग किया जाए, पशु चिकित्सा अधिकारी एवं वेटनरी फार्मासिस्ट के रिक्त पदों को भरते हुए पशुधन प्रसार अधिकारियों को चार्ज से मुक्त किया जाए के साथ–साथ जनपद स्तर पर भी संघ की समस्याओं को देखते हुए पदाधिकारियों के साथ नियमित हर महीने बैठक की जाए। साथ ही साथ पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने 24 नवंबर 2022 को जनपद का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव कराने एवं चुनाव अधिकारी नामित करने हेतु पत्र भी सौंपा। इस अवसर पर जिला मंत्री अवनीश त्रिपाठी भी उपस्थित रहें।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हुआ शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में अंतर संकाय शतरंज प्रतियोगिता में शक्तिमान कसौधन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान सवितेश पाठक रहे। आज सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में पुरुष शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल तीनों संकाय में विज्ञान कला एवं वाणिज्य से 14 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें रूपांश जायसवाल संजीव पांडे आशीष कुमार पांडे आदित्य मिश्रा राजेश्वर शक्तिमान कसौधन अमजद खान का आलम संदीप कुमार आनंद कुमार और वेद प्रकाश सम्मिलित हुए नॉकआउट मैच में शक्तिमान ने सबके स्कोर पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया संता के का उद्घाटन अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर हरीश शर्मा ने किया इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की का खेल विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक विकास का प्रमुख स्तंभ है विशेष रूप से शतरंज प्रतियोगिता मानसिक क्षमता बढ़ाने में विशेष भूमिका का निर्वहन करता है प्रतिभागियों में निर्णय लेने और कार्य करने की प्रेरणा से प्राप्त होती है शिक्षा के साथ खेल का अंतरंग संबंध है। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग कर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए शतरंज प्रतियोगिता के संयोजक सिंह यादव समिति के सदस्य धर्मेंद्र कुमार मनीषा बाजपेई विनीता रावत डॉक्टर अंकिता श्रीवास्त उपस्थित रहे जबकि निर्णय की भूमिका में है नाटक कपिल गुप्ता और डॉ रेनू त्रिपाठी ने अपने दायित्व का निर्वहन किया जानकारी सूचना और जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह।

जनपद में चला बाल श्रम रोकथाम अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर

के आदेश के क्रम में एवं सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक, सिद्धार्थनगर के कुशल पर्यवेक्षण में तथा अखिलेश वर्मा, क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में बृजेश सिंह, प्रभारी ए0एच0टी0यू0 निरीक्षक तथा उज्जवल त्रिपाठी, श्रम प्रर्वतन अधिकारी द्वारा कस्बा बांसी तथा कस्बा जोगिया में बाल श्रम रोकथाम के दृष्टिगत अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 06 दुकानों का निरीक्षण किया, जिसमें कुल 05 नाबालिग बच्चे काम करते हुये पाये गये। श्रम विभाग, जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा नियोक्ताओ के विरूद्ध विधिक कार्यवाही प्रचलित है। अभियान के दौरान कस्बा बांसी तथा कस्बा जोगिया के समस्त दुकानदारों को नाबालिग बच्चों को दुकान पर काम नही कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

मेधावी छात्र अभिभावक गोष्ठी का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माता–पिता अपने बच्चे के पहले शिक्षक होते हैं

उनका सहयोग बच्चे की पढ़ाई और विकास को प्रभावित करता है। उक्त बातें रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कही। वह विद्यालय द्वारा आयोजित कक्षा दशम व द्वादश के मेधावी छात्र अभिभावक गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। आगे उन्होंने कहा कि अभिभावक विद्यालय एवं छात्रों के बीच की एक अहम कड़ी है इसलिए यह कड़ी और मजबूत होनी चाहिए। एक सफल अभिभावक अपने बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान रखते हुए शिक्षकों के साथ निरंतर बातचीत करता रहता है। आगामी बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रातः 7.30 बजे से 9.30 बजे तक दशम व द्वादश के मेधावी छात्रों की विशेष कक्षाएं चलेंगी जिससे हमारा विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। विद्यालय की सह प्रबंधक सत्येंद्र द्विवेदी ने कहा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं यदि आप सभी का सकारात्मक सहयोग रहेगा तो निश्चित ही विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर आप व विद्यालय का मान बढ़ायेंगे। गोष्ठी का मंतव्य विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री निमिष शुक्ल रखा। उक्त अवसर पर अभिभावक राम अदालत गुप्त, अनिल कुमार मिश्र, ओमकार यादव, रमजान अली राजेश कुमार, शंकर मिश्र व्यास मुनि, मुनिराम हरिओम पांडेय आज की उपस्थिति रही।

बी.आर.सी. पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न, पुरानी पेंशन बहाली रहा मुद्दा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बी.आर.सी. मिठवल पर अटेवा मिठवल के पदाधिकारियों की एक महत्त्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें सभी पदाधिकारियों द्वारा संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए निर्धारित समय में ज्यादा से ज्यादा सदस्यता पर चर्चा हुई। आनन्द कुमार शुक्ल (जिला प्रवक्ता–अटेवा सिद्धार्थनगर) ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के राष्ट्रव्यापी आन्दोलन में ब्लाक कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ब्लाक अध्यक्ष अटेवा मिठवल मनीष कुमार दुबे ने सभी पदाधिकारियों को डॉ रामाशीष सिंह भवन (अटेवा कार्यालय) निर्माण एवं उसके

महत्त्व के बारे में सभी साथियों को अवगत कराया। बैठक में ब्लाक कार्यकारिणी के महिला संवर्ग का विस्तार करते हुए, सुदेश को ब्लाक कोषाध्यक्ष (महिला संवर्ग), अर्चना कुलश्रेष्ठ को संगठन मंत्री (महिला संवर्ग), श्वेता श्रीवास्तव को ब्लाक वरिष्ठ उपाध्यक्ष (महिला संवर्ग) के पद पर मनोनीत किया गया जिनका स्वागत व सम्मान अंजना शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष (महिला संवर्ग) एवं संगीता श्रीवास्तव ब्लॉक उपाध्यक्ष (महिला संवर्ग) ने माल्यार्पण करके किया।

बैठक में संजय पाण्डेय (वरिष्ठ संरक्षक), संजय जायसवाल (संरक्षक एवं व्यवस्थापक), बृहस्पति मणि त्रिपाठी (उपाध्यक्ष), जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी (संगठन मंत्री), सुरेंद्र नाथ मिश्र (उपाध्यक्ष), मनोज कुमार पाण्डेय (प्रवक्ता), श्रवण कुमार (महामंत्री), बृजेश वर्मा (उपाध्यक्ष), अभिलाष मिश्रा (मीडिया प्रभारी) आदि ब्लाक पदाधिकारी मौजूद रहे।

30 वर्ष पूर्व गुम हुये राजेश को पुलिस ने मिलाया परिजनों से

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर

के आदेश के क्रम में सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक, सिद्धार्थनगर के कुशल पर्यवेक्षण में अखिलेश वर्मा, क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में बृजेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक ए0एच0टी0यू0 जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा राजेश जो 30 वर्ष पहले अपने घर से मजदूरी के लिए लुधियाना शहर पंजाब गया था, वहां से कुछ ही दिनों बाद लापता हो गया था। जो दिनांक 15.11.2022 को जनपद बरेली के तहसील बहेड़ी में घूमते हुये पाये गये थें। अपना पता उसका बाजार बता रहे थें। इसकी सूचना जनपद बरेली से पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर को प्राप्त हुई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा ए0एच0टी0यू0 सिद्धार्थनगर को उक्त गायब व्यक्ति के बारे में जानकारी हेतु निर्देशित किया गया। ए0एच0टी0यू0 द्वारा थानाक्षेत्र उसका बाजार के गांवो में जाकर इस व्यक्ति के बारे में जानकारी की गयी तो सुमित्रा देवी पत्नी राजेश निवासी ग्राम महनी थाना उसका बाजार द्वारा उक्त व्यक्ति की पहचान की गयी। तथा बताया गया की राजेश उनका पति है। आज दिनांक 17.11.2022 को राजेश को उनके परिजनो से 30 वर्ष बाद मुलाकात हो पाया है।

भेड़ पालक भाई तीन माह के अंतराल पर भेड़ व बकरी को क्रिमिनासक दवा जरूर दें

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इस बात की जानकारी पशुचिकित्साधिकारी जोगिया डॉ बलराम चौरसिया ने पशुपालक जागरूकता अभियान के तहत हरैंया बांध पर भेड़ पालकों को दी। बताया कि दूषित घास चरने के कारण पशूओं में अंतः परजीवी या कीड़ी की समस्या अधिक होती है। विशेष रूप से भेड़ में लीवर फ्लूक का प्रकोप होता है। जिससे भेड़ पालक भाइयों को नुकसान होता है। समस्या के समाधान के लिए तीन माह पर एक बार क्रिमि नासक दवा पान अवश्य कराएं। यह दवा पशु चिकित्सालय पर फ्री में उपलब्ध है। भेड़ पालक भाई इसका लाभ जरूर लें। इस अवसर पर भेड़ पालक आशीस, शंम्भू, केशराम आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

असल में दिल्ली में आम आदमी पार्टी के खिलाफ भाजपा की जंग के दुष्परिणाम भी गुजरात में आप को भोगने पड़ेंगे । फिर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह बराबर गुजरात दौरे पर हैं । आम आदमी पार्टी अभी भी यदि अपना रास्ता बदल कर कांग्रेस से हाथ मिला ले तो शायद गुजरात में इस बार भाजपा हार जायेगी, परन्तु ...

गुजरात में आम आदमी पार्टी की कड़वी रेवड़ी

बड़े दम से कहा जा रहा है कि गुजरात के चुनाव में आप बड़ी संख्या में जीतकर अपनी सरकार बना रही है । उसमें जनमत से अपने आगामी मुख्यमंत्री का नाम भी घोषित कर दिया है । वह गुजरात कि पिछड़े वर्ग से आते हैं । अभी हाल में छरू राज्यों की सात विधानसभा सीटों के लिए हुये चुनाव में आप ने उत्तर प्रदेश की एक सीट पर अपना उम्मीदवार उतारा था और वहां उसकी जमानत जब्त हो गई । असल में, पंजाब जीतने के बाद आम आदमी पार्टी की इच्छा और अभिलाषा बढ़ गई है, परन्तु गुजरात की स्थिति पंजाब से भिन्न है । गुजरात में पिछले 26 सालों से भाजपा ही सत्ता में हैं । अमित शाह और नरेन्द्र मोदी गुजरात से आते हैं । सरदार पटेल कांग्रेसी होने पर भी भाजपा के चहेते हैं क्योंकि एक तो वे गुजराती हैं दूसरे उनके सहारे नेहरू पर कटाक्ष किया जाना आसान है । महात्मा गांधी भी गुजराती है परन्तु उन पर सभी अपना दावा ठोकते हैं । असल में सूरत में हुए नगर पालिका चुनाव में 27 सीटें जीतने पर ही आम आदमी पार्टी का हौंसला बढ़ गया है यद्यपि वहां भाजपा ही कब्जे में है । एक आकलन के अनुसार आप और कांग्रेस को कुल वोटों का 20त्न से ज्यादा मिलने वाला नहीं है । यह सी.एस.डी.एस. की लोक नीति द्वारा किये गये सर्वे का परिणाम है । असल में एक आकलन के अनुसार आप कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगायेगी और भाजपा इससे अछूती रह जायेगी । यह बात तो सत्य है कि गुजरात में भाजपा में भी सभी कुछ ठीक नहीं है । तभी तो बीच सत्र में मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों को बदल दिया गया है । आप के पास कोई गुजराती विश्वसनीय चेहरा नहीं है । अरविन्द केजरीवाल या मनीष सिसोदिया गुजराती नहीं जानते । गुजरात की ग्रामीण जनता हिन्दी ठीक से समझती नहीं है । यदि इन दोनों नेताओं को गुजराती आती होती, तो बात कुछ और होती । फिर

गुजराती अपनी अस्मिता में फ्रीकृबी को महत्त्व नहीं देते । वे कर्मठ होते हैं, कार्यशील होते हैं और अपने बल पर पैसा कमाना चाहते हैं । वे भिखारी नहीं है कि फ्री बिजली पर मर मिटे । आम आदमी पार्टी ने गुजरात के लिए विकास के लिए कोई मॉडल प्रस्तुत नहीं किया है । वे केवल अस्पताल और स्कूलों की बात करते हैं । यह सही है कि पूरे देश की तरह गुजरात में भी स्कूलों और अस्पतालों की हालत खराब है, पर यह चुनाव में एकमात्र मुद्दा नहीं बन सकता । गवर्नेंस का कोई मॉडल आप पार्टी ने प्रस्तुत नहीं किया है । पंजाब में कांग्रेस की अंतर्कलह के कारण वह वहां सरकार बना पायी फिर 2017 के चुनाव में आप पंजाब में प्रमुख विपक्षी दल था । लोकनीति के सर्वे के अनुसार गुजरात में पिछले पांच साल में भ्रष्टाचार 77त्न बढ़ा है । आम आदमी पार्टी यदि इसे मुद्दा बनाये तो वह मोरबी में हुए पुल हादसे को भुला सकती है । पर इसके लिए सही आंकड़े चाहिए । असल में, आम आदमी पार्टी के पास सेवक तो हैं पर कद्दावर नेता नहीं हैं । बहुत से समर्थवान आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं । प्रमुख हैंकृयोगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इलमी आदि । असल में दिल्ली में आम आदमी पार्टी के खिलाफ भाजपा की जंग के दुष्परिणाम भी गुजरात में आप को भोगने पड़ेंगे । फिर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह बराबर गुजरात दौरे पर हैं । आम आदमी पार्टी अभी भी यदि अपना रास्ता बदल कर कांग्रेस से हाथ मिला ले तो शायद गुजरात में इस बार भाजपा हार जायेगी, परन्तु इसकी कोई संभावना नहीं है और कांग्रेस और आप में वर्तमान में 36 का आंकड़ा है । इसी से गुजरात में भाजपा का रास्ता साफ है । यदि गुजरात में आम आदमी पार्टी मुख्य विपक्ष में आ जाये तो बड़ी बात होगी ।

अफवाह फैलाने की आप की रणनीति!

एक समय था जब देश के लेफ्ट, लिबरल बुद्धिजीवी आरोप लगाते थे कि आरएसएस और भाजपा अफवाह फैलाने की फैक्टरी हैं। दूसरी ओर संघ और भाजपा का आरोप था कि लेफ्ट, लिबरल बुद्धिजीवी अपनी विचारधारा के अनुकूल नैरेटिव गढ़ते हैं और उसे प्रचारित व स्थापित करते हैं। इस तरह दोनों एक दूसरे पर अफवाह फैलाने के आरोप लगाते थे। लेकिन अब इस काम में आम आदमी पार्टी ने सबको पीछे छोड़ दिया है। पीत पत्रकारिता करने वालों की तरह आप के नेता किसी भी पार्टी या नेता के बारे में कुछ भी कह देते हैं। प्रेस कांफ्रेंस करके कोई बड़ा दावा कर देंगे और सोशल मीडिया में उसका प्रचार करेंगे, बाद में वह बात पूरी तरह से गलत साबित होती है। ताजा मामला दिल्ली प्रदेश भाजपा के सभी जिला अध्यक्षों के इस्तीफे का है। आम आदमी पार्टी के मुख्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि आप की वजह से भाजपा के अंदर ऐसी घबराहट मची है कि उसके सभी जिला अध्यक्षों ने इस्तीफा दे दिया है। इस बयान के बाद भाजपा हैरान परेशान थी क्योंकि पार्टी अध्यक्ष के पास किसी जिला अध्यक्ष का इस्तीफा नहीं पहुंचा था। हकीकत यह है कि भाजपा के किसी जिला अध्यक्ष का इस्तीफा नहीं हुआ है। इसी तरह पिछले दिनों आप के विधायक दुर्गेश पाठक ने दावा किया कि भाजपा अपने सभी पूर्व पार्षदों की टिकट काट रही है। हकीकत यह है कि पार्टी ने नौ पूर्व मेयर और 52 पूर्व पार्षदों को मैदान में उतारा है। इससे पहले गुजरात को लेकर आप के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने खुद कैसी कैसी बातें फैलाई थीं! उन्होंने जून–जुलाई से कहना शुरू किया कि आप से घबरा कर भाजपा समय से पहले चुनाव कराने जा रही है। लेकिन हकीकत यह है कि चुनाव समय पर हो रहे हैं। केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेताओं ने कई बार कहा कि आप से घबरा कर भाजपा गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल को बदलने जा रही है। हकीकत यह है कि अब भी भाजपा सीआर पाटिल की कमान में ही चुनाव लड़ रही है। इस तरह की बातों की सूची काफी लंबी हो सकती है। मजेदार बात यह है कि आम आदमी पार्टी के नेता कभी पत्रकार बन जाते हैं और पत्रकारों को ही बताते हैं कि उन्हें सूत्रों के हवाले से अमुक खबर मिली है। कभी सैफोलॉजिस्ट बन जाते हैं और बताते हैं कि उनके सर्वे में पता चला है कि अमुक चीज हो रही है। कभी ज्योतिष बन जाते हैं और दावा करते हैं कि अमुक काम होने जा रहा है। हकीकत यह है कि सूत्रों के हवाले से मिली खबर, सर्वेक्षण से मिले नतीजे और ज्योतिषीय गणना से पता चली बात 90 फीसदी टाइम गलत होती है। वह सिर्फ अफवाह होती है, जिसे राजनीतिक फायदे से लिए प्रचारित किया जाता है। यह कमाल है कि आप ने झूठ फैलाने को सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रणनीतिक हथियार बना लिया है।

बड़ी कंपनियों में छंटनी के संकेत

धन और सत्ता की शक्ति से संपन्न वर्ग अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेज देते हैं या फिर देश में ही महंगे शिक्षा संस्थानों में उनकी डिग्रियों का इंतजाम होता है और पढ़ने के बाद बड़ी कंपनियों में नौकरियों का भी। मगर मध्यम और गरीब तबके के छात्रों को डिग्री और नौकरी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है, फिर भी क्या मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। जनता को रंगों की राजनीति में उलझाकर ...

भारत में बेरोजगारी इस वक्त एक ऐसी समस्या बनी हुई है, जिसके दुष्परिणाम देखते हुए भी उसके समाधान के लिए सरकार कोई मजबूत कदम उठाते नहीं दिख रही है। चुनावी घोषणापत्रों या विभिन्न राजनैतिक मंचों से दिए जाने वाले भाषणों में बेरोजगारी को एक जरूरी बिंदु की तरह शामिल किया जाता है, ताकि लोगों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया जा सके। और ऐसा लगता है कि इसे सुलझाने में सरकार की कोई दिलचस्पी भी नहीं है, क्योंकि जब तक बेरोजगारी बनी रहेगी, लोग मजबूर बने रहेंगे और उनकी मजबूरी का फायदा उठाना आसान होगा। जैसे बेरोजगार व्यक्ति का झुकाव मुफ्त वाली घोषणाओं की ओर पहले होगा, तरह–तरह की छूट और कल्याणकारी योजनाओं का लाभार्थी बनने में उसकी दिलचस्पी होगी, उसके आत्मसम्मान के साथ खिलवाड़ करने में आसानी होगी। शायद इन्हीं वजहों से बेरोजगारी का दीर्घकालिक उपाय नहीं तलाशा जाता। सरकार की ओर से रोजगार की गारंटी न मिलने और इसके साथ ही दुनिया में आईटी यानी सूचना तकनीकी के क्षेत्र में ऊंचे वेतनमान के साथ रोजगार की संभावनाओं ने अनेक युवाओं को इस क्षेत्र में किस्मत आजमाने के लिए प्रेरित किया। देश में नौजवानों की एक बड़ी जमात इस वक्त देश–विदेश की दिग्गज कंपनियों में कार्यरत है। लेकिन अब इस क्षेत्र से भी रोजगार को लेकर अच्छी खबरें नहीं आ रही हैं। दिग्गज ई–कॉमर्स कंपनी अमेजन अपने कम से कम 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी में है, इस आशय की रिपोर्ट सोमवार को अमेरिका के अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने दी है। इस छंटनी से सबसे अधिक अमेजन के अलेक्सा, खुदरा विभाग और मानव संसाधन विभागों पर पड़ सकता है। अमेजन में नौकरियों से निकाले जाने की यह आशंका उस वक्त जतलाई गई है, जबकि दुनिया की कई छोटी–बड़ी कंपनियां अपने आर्थिक बोझ को कम करने के लिए लगातार कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। ट्विटर पर मालिकाना हक मिलते ही एलन मस्क ने कम से कम आधे कर्मचारियों को एक झटके में बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इसके बाद फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने करीब 13 प्रतिशत यानी 11 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की घोषणा की थी। खास बात ये है कि मेटा के इतिहास में अब तक नौकरियों में इतनी बड़ी कटौती नहीं हुई थी। कर्मचारियों की छंटनी के इस ऐलान के बाद मार्क जकरबर्ग ने कहा था कि श्यह मेटा के इतिहास का सबसे मुश्किल फैसला था।श बेशक एक झटके में हजारों लोगों को बेरोजगार कर देने का फैसला आसान नहीं रहा होगा। लेकिन मार्क जकरबर्ग या एलन मस्क या जेफ बेजोस जैसे लोगों के लिए यह केवल एक पल की परेशानी हो सकती है। अपनी व्यापारिक बुद्धि और आईटी क्षेत्र के प्रतिभाशाली लोगों की मेधा के दम पर इन लोगों ने हर दिन करोड़ों की कमाई की है। इन धनकुबेरों के लिए किसी को नौकरी पर रखना और फिर अचानक निकाल देना भी व्यापारिक सौदेबाजी की तरह ही होता है। मगर इन फैसलों से असली प्रभावित तो वो लोग होते हैं, जिनकी नौकरी जाने से पैरों तले जमीन ही चली जाती है। लाखों के पैकेज मिलने पर आईटी क्षेत्र के लोगों की जीवनशैली भी खर्चीली हो जाती है और जब एकदम से नौकरी चले जाए, तो फिर उन खर्चों को पूरा कर पाना असंभव होता है और उस जीवनशैली को छोड़ना भी मुश्किल हो जाता है। मगर दुनिया के भीतर आभासी दुनिया खड़ी करने का कमाल करने वालों के लिए कड़वी हकीकत यही है। 2008 की वैश्विक मंदी के दौरान दुनिया इस हकीकत से रूबरू हो चुकी है, मगर उस दौर से कोई सबक शायद नहीं लिया गया। अब दुनिया में एक बार फिर आर्थिक मंदी का खतरा मंडरा रहा है। कोरोना की महामारी और रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में गिरावट आई है। देशों की वित्तीय व्यवस्था तो बिगड़ी ही है, विशालकाय कंपनियों की भी स्थिति खराब हुई है और इसलिए अब छंटनी के फैसले लिए जा रहे हैं। अभी आईटी क्षेत्र में छंटनी नजर आ रही है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, जल्द ही यह स्थिति अन्य क्षेत्रों को भी प्रभावित कर सकती है और अधिक कंपनियों में छंटनी हो सकती है। वैसे बताया जा रहा है कि अमेजन में नौकरियां जाने की रिपोर्ट कंपनी के संस्थापक जेफ बेजोस के सीएनएन को दिए उस इंटरव्यू के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वो अपनी 124 अरब डॉलर की संपत्ति को जीते जी धीरे–धीरे दान करेंगे। लेकिन हकीकत ये है कि अमेजन में नौकरियों पर खतरा काफी समय से मंडरा रहा है। इस साल अप्रैल से सितंबर के बीच ही कम से कम 80 हजार लोगों को हटा दिया गया है और अलग–अलग विभागों में खाली पदों को भरने की प्रक्रिया भी बंद पड़ी है। दरअसल कोरोना के वक्त जब लोगों का घर से निकलना बंद हो गया था, तब अमेजन के व्यापार में खूब वृद्धि हुई थी। घर बैठे मनोरंजन प्राप्त करने से लेकर कपड़े, इलेक्ट्रानिक उपकरण और अन्य सामान खरीदने का काम ऑनलाइन ही होने लगा था। इस वजह से अमेजन ने भी अपना दायरा काफी बढ़ा लिया था। मगर अब बाजार फिर से खुल गए हैं, तो लोग दुकानों पर जाकर सामान खरीदने में दिलचस्पी लेने लगे हैं। इसके अलावा महंगाई इतनी बढ़ गई है कि अब खरीदारी की आदत बदलती जा रही है। इसमें अमेजन के लिए मुनाफे के अवसर घटे हैं। अपने खर्च को बचाने के लिए अब कंपनी नौकरियों में छंटनी कर रही है। अमेजन जैसी स्थिति ही अन्य बड़ी कंपनियों की हो रही है। इधर यूरोपीय संघ ने आशंका जाहिर की है कि इन सर्दियों में यूरोजोन के 19 देश मंदी की चपेट में आ सकते हैं।

उन्होंने प्राय: महिला समूहों को अपने अभियान से जोड़ा। सन् 80 के दशक में उनकी ख्याति ने महाद्वीप की सरहदें लांघी। वे विश्व की 100 चुनिंदा नायिकाओं में नामित हुईं और हाल ऑफ फेम की 500 की चमकीली सूची में शुमार। उन्हें पुरस्कार पर पुरस्कार मिले। गोल्डन आर्क अवार्ड। पेट्रा केली सोफी पुरस्कार। वेटर वर्ल्ड सोसायटी अवार्ड। वांगो पर्यावरण पुरस्कार। द वूमैन ऑफ द वर्ल्ड...

वांगारी मथाई पर्यावरण पर नोबुल

डॉ. सुधीर सक्सेना

8 अक्टूबर, सन् 2004 को जब नैरोबी में अश्वेत पर्यावरणविद सुश्री वांगारी मथाई के फोन की घंटी घनघनायी तो उन्हें शायद ही उम्मीद रही होगी कि फोन पर मिलने जा रही सूचना उनके जीवन की सबसे बड़ी और कीमती सौगात साबित होगी। फोन पर दूंसरी ओर थे नॉर्वे के केन्या स्थित राजदूत। उन्होंने आदरसूचक संबोधन के बाद सुश्री मथाई को इस वर्ष के नोबुल शांति पुरस्कार के लिए चुने जाने की सूचना दी तो सुश्री मथाई पलभर को विस्मय और हर्षातिरेक से अवाक रह गयीं। धड़कनों पर काबू पाकर खुशी से छलकते स्वरों में उन्होंने कहा, श्श्मैं बहुत खुश हूं और इस खुशी को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।च्य कुछ ही देर बाद नॉर्वे टेलीविजन ने जब प्रतिक्रिया के लिए उनसे सम्पर्क साधा तो उन्होंने कहा, श्श्शांति के लिए पर्यावरण बहुत महत्वपूर्ण है। जब हम अपने–अपने संसाधनों को नष्ट करते हैं और जब संसाधन सीमित हो जाते हैं, तो उनके लिए हमें लड़ाइयां लडनी पड़ती हैं। मथाई को पर्यावरण पर नोबुल के संदर्भो पर विचार करें रू एक बिरवा रोपना और उसे फलते फूलते देखना विभीषिकाओं के बीच एक कठिन अभियान से कमतर नहीं है। वृक्ष स्वास्थ्य एवं समृद्धि के वाहक हैं और शांति के नैसर्गिक प्रतीक भी। वृक्ष पर्यावरण का सर्वोत्कृष्ट मानक रचते हैं। यही वे संदर्भ हैं कि सुश्री वांगारी मथाई ने अपना सारा जीवन वृक्षारोपण अभियान को समर्पित कर दिया था। यही उनका मिशन है। नोबुल शांति पुरस्कार समिति के अध्यक्ष ओले डेनवोल्ट के अनुसार, यह पहला मौका है कि पर्यावरण ने नोबुल शांति पुरस्कार का एजेंडा तय किया है। यह पहला अवसर है कि यह प्रतिष्ठापूर्ण पुरस्कार किसी अफ्रीकी महिला को दिया जा रहा है। एक करोड़ स्वीडिश क्रोनर यानी करीब 13 लाख डॉलर का यह पुरस्कार सुश्री मथाई को अल्फ्रेड बर्नार्ड नोबुल की पुण्यतिथि पर 10 दिसंबर को प्रदान किया गया। 64 वर्षीया सुश्री वांगारी मथाई तब केन्या सरकार में पर्यावरण उपमंत्री थीं। यह एक महत्वपूर्ण पद और जिम्मेदारी थी। लेकिन मथाई के लिए इससे ज्यादा अहमियत रखता रहा उनका मिशन। वे अफ्रीका में हरित अभियान की पुरोधा रही हैं। वे अफ्रीका में ग्रीनबेल्ट या हरित पट्टी कार्यक्रम के तहत तब तक तीन करोड़ से ज्यादा पौधे लगा चुकी थी। इस मिशन से वे चौथाई सदी से भी अधिक समय तक जुड़ी रहीं। उन्होंने साहसिक पहल करते हुए सन् 1977 में ग्रीनबेल्ट आंदोलन की नींव रखी थी। एकाकी जिद से उपजा यह अभियान रंग लाया। उनके आंदोलन से अफ्रीका में सबसे विशाल वृक्षारोपण अभियान की शक्ल ले ली। इस अभियान से केवल पर्यावरण ही नहीं सुधरा, अपितु बहुविध लाभ मिले। जैव विविधता की समृद्धि के साथ–साथ इससे रोजगार और आजीविका के साधन विकसित हुए और समाज में महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ हुई।

सन् 1940 में जनमी वांगारी की शिक्षा अमेरिका में हुई और वहीं से उन्होंने जैव–विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। तदंतर वे केन्या लौटीं और पीएचडी की डिग्री हासिल करने के बाद वे नैरोबी विश्वविद्यालय में पहली महिला प्रोफेसर बनीं। उन्होंने एक राजनेता से शादी की, लेकिन पति ने वांगारी और तीन संतानों को इसलिये त्याग दिया, क्योंकि सुश्री वांगारी अधिक शिक्षित, अधिक मजबूत, अधिक कर्मठ, अधिक सफल शख्सियत थीं। पत्नी का स्वतंत्रचेता, जिद्दी और साहसी होना पति को रास नहीं आया। उसने उन्हें छोड़ दिया, लेकिन इससे वांगारी के पांव कर्तव्यपथ से डिगे नहीं। अपने वृहद सरोकारों के चलते वे समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निरंतर पालन करती रहीं। राष्ट्रपति डेनियल आराप मोई के अधिनायकवादी काल में उन्होंने केन्या में बहुलवादी लोकतंत्र की स्थापना की मांग उठायी। इससे वे मोई और उनके पित्रुओं की आंखों की किरकिरी बन गयीं। ताकतवर लॉबी ने सन् 1987 में उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनाव में षडयंत्रपूर्वक दौड़ से बाहर कर दिया। पंद्रह साल बाद सन् 2002 में विपक्षी गठबंधन ने मोई को करारी शिकस्त दी। माउंट केन्या के मतदाताओं ने मथाई को भारी बहुमत से संसद के लिए चुना। उनके सरोकारों के चलते उन्हें मंत्री पद से नवाजा गया। अपनी जद्दोजहद के चलते सुश्री वांगारी मथाई ने सन् 1989 में वूमैन ऑफ द वर्ल्ड और सन् 98 में श्टाइम्य पत्रिका की ओर से श्हीरो ऑफ द प्लैनेट्य का खिताब हासिल किया। सन् 1995 में विश्व की चर्चित महिलाओं की फेहरिस्त में उनका नाम शुमार हुआ। इस दरम्यान वांगारी ने अफना मिशन लगातार जारी रखा। नतीजतन नोबुल समिति ने उनके अभियान को सतत विकास, लोकतंत्र और शांति की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान निरूपित करते हुए नोबुल पुरस्कार देने का फैसला किया। समिति ने अपनी घोषणा में कहा–श्श्इस धरती पर शांति इस बार पर निर्भर करती है कि हम जीवन जीने योग्य पर्यावरण को किस प्रकार सुरक्षित रखते हैं? मथाई केन्या और अफ्रीका में जैविक विविधता समर्थित समाज अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विकास के प्रोत्साहन के लिए शुरू किए गए संघर्ष में अग्रिम मोर्चे पर खड़ी रहीं। मथाई नोबुल पुरस्कार मिलने को अपने जीवन की सबसे सुखद घटना थी। उन्होंने कहा था–श्श्मैं अपना अभियान जारी रखूंगी। मैं बहुत खुश हूं और हर चीज के लिए भगवान का धन्यवाद करती हूं। मैं केन्या के नागरिकों से अपील करूंगी कि वे अभियान में मेरा साथ दें।च्य यह और कुछ नहीं, वरन धरती पर अपने होने के लिए धरती के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना था। वांगारी मथाई का पूरा नाम था वूअंगरी (वांगारी) मुता मथाई। वे केन्या के किकूयू समुदाय से ताल्लुक रखती थीं। उनमें शिक्षा की गहरी ललक थी। सन 1964 में उन्होंने एटिसन, कान्सास में माउंट सेन्ट स्कोलास्टिका से जीव विज्ञान में स्नातक की उपाधि ली थी। तदंतर स्नातकोत्तर उपाधि के बाद उन्होंने पूर्वी एवं मध्य अफ्रीका की पहली डॉक्ट्रेट का श्रेय प्राप्त किया। सन् 76 में वह राष्ट्रीय महिला परिषद में सक्रिय हुईं और सन् 81–87 में वह परिषद की अध्यक्ष रहीं। सन् 80 के दशक में वह राष्ट्रीय महिला परिषद में सक्रिय हुईं और सन 81–87 में वह परिषद की अध्यक्ष रहीं। सन् 80 के दशक में उनका पैन अफ्रीकन ग्रीन बेल्ट नेटवर्क केन्या के बाहर युगांडा, तंजानिया, मलानी, लेसोथो, जिंबाब्वे और इथियोपिया आदि देशों में फैल गया। उनके हरित उपक्रम ने बरबस सारे विश्व का ध्यान आकृष्ट किया।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण

महोली देहात (सीतापुर)। नगर पंचायत महोली के द्वारा पिछले पांच सालों में कराये गये विकास कार्यों का लोकार्पण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि व ध ौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा के द्वारा किया गया। सांसद ने आसरा आवास, राधा कृष्ण पार्क, अंत्येष्टि स्थल, मॉडल शौचालय, एम आर एफ सेंटर, कान्हा गौशाला, जूनियर हाईस्कूल पार्क, कोतवाली पार्क, शहीद पार्क, कम्युनिटी हाल एवं दुकाने, भीमराव आंबेडकर पार्क, रैन बसेरा, बारात घर, तिकोना पार्क, सहित नगर पंचायत द्वारा कराये गये समस्त सोलह विकास कार्य मे सम्मिलित स्थलों का लोकार्पण किया। इस दौरान चेयरमैन सरिता गुप्ता ने सांसद का माल्यार्पण कर सम्मान किया। उनके द्वारा नगर पंचायत के विकास कार्यों मे किये गये सहयोग की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुये कहा कि हमारे नगर पंचायत के सभी विकास कार्यों मे उनका सहयोग अतुलनीय है। किसी भी योजना के संचालित होते ही उन्होंने महोली नगर को सर्वप्रथम वरीयता दी है। धौरहरा सांसद ने जनसभा मे आये हुये लोगों को सम्बोधित करते हुये कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि सरकार द्वारा जो भी योजना संचालित की जायेगी उस योजना को महोली नगर की जनता को बगैर किसी तकलीफ के मिलती रहे, और प्रत्येक वर्ग योजनाओं से लाभान्वित हो सके। विकलांगों के लिए नव संचालित योजना का उल्लेख करते हुये उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने विकलांगों के लिए विकलांग आवास योजना का शुभारंभ किया है। जिससे चालीस प्रतिशत तक के विकलांगों को इस योजना का लाभार्थी बनाया जायेगा। जिसकी रूपरेखा नगरीय क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्र मे जल्द ही तैयार की जायेगी। पूर्व चेयरमैन दिनेश गुप्ता टीटू ने जनसभा को अपने सम्बोधन मे कहा कि जिस तरह पिछले दस वर्षों से नगर का विकास किया गया है। उसी तरह नगर पंचायत मे सम्मिलित पांच ग्राम सभा के बारह गांवों मे किया जायेगा, ये सभी गांव बिजली, पानी, स्वच्छता, सड़कों से परिपूर्ण किये जायेंगे, जिसके लिये वो दृढ संकल्पित हैं।

इस दौरान अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार भार्गव, मण्डल अध यक्ष श्रीनाथ बाजपेयी, पिसांवा ब्लॉक प्रमुख मिथिलेश यादव, डाक्टर सतीश वर्मा, जय प्रकाश मिश्रा, अरुण मिश्रा, कल्याण सिंह सहित तमाम गणमान्य लोग व नगर पंचायत के कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों को जल संचयन पर किया गया किसान मेला व जागरूकता कार्यक्रम

मानपुर (सीतापुर)। कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में जल शक्ति अभियान अंतर्गत एक दिवसीय बृहद किसान मेला एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्र प्रभारी डॉ दया शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि जल, जीवन की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिये अनिवार्य ही नहीं बल्कि महत्त्वपूर्ण संसाधन भी है। एक ओर जल की बढ़ती मांग की आपूर्ति हेतु सतही एवं भूमिगत जल के अनियंत्रित दोहन से भूजल स्तर में गिरावट होती जा रही है तो दूसरी ओर प्रदूषकों की बढ़ती मात्रा से जल की गुणवत्ता एवं उपयोगिता में कमी आती जा रही है। अनियमित वर्षा, सूखा एवं बाढ़ जैसी आपदाओं ने भूमिगत जल पुनर्भरण को अत्यधिक प्रभावित किया है। हमें कृषि में सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों को अपनाकर जल संचयन करना होगा। डॉ आनंद सिंह पशुपालन वैज्ञानिक ने बताया की वर्षा का जल प्रारंभ में तो विशुद्ध रहता है, लेकिन भूमि के प्रवाह के साथ ही इसमें जैव एवं अजैव खनिज द्रव्य घुल जाते हैं। इस प्रकार प्राकृतिक जल में उपस्थित खनिज एवं अन्य पोषक तत्व, मानव सहित समस्त जीवध ारियों के लिये स्वास्थ्य की दृ ष्टि से आवश्यक ही नहीं वरन महत्त्वपूर्ण भी हैं। हमें वर्षा जल का अत्यधिक सदुपयोग करना होगा। मृदा वैज्ञानिक सचिन प्रताप तोमर ने मेला के माध्यम से जनपद के किसानों को संदेश दिया कि आने वाले समय में कृ षि विज्ञान केंद्र पर ड्रोन टेक्नोलॉजी भी उपलब्ध होगी जो निश्चित तौर पर जल संरक्षण की दृष्टि से कृषि क्रियाओं में लाभकारी सिद्ध होने वाली है। सस्य वैज्ञानिकल डॉ शिशिर कांत सिंह ने कृषि क्षेत्र में कार्यरत कारटेवा कंपनी के हरिओम व जितेंद्र सिंह के साथ मिलकर ध ान की सीधी बुवाई पद्धति से प्राप्त कर वैज्ञानिकों से विचार विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम संचालक व प्रसार वैज्ञानिक शैलेन्द्र सिंह ने जल प्रदुषण पर वार्ता करते हुए कहा की जल में व्यापक रूप से पाए जाने वाले कार्बनिक एवं अकार्बनिक रसायनों, रोगजनकों, भौतिक अशुद्धियों और तापमान वृद्धि जैसे संवेदी कारकों को जल प्रदूषकों में शामिल किया जाता है। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधि ाकारियों के अतिरिक्त 256 किसानों व 28 कृषि स्नातक छात्रों ने प्रतिभागिता करके जल शक्ति अभियान के उद्देश्य पर जानकारी जल व कल की सुरक्षा पर साझा किए।

समितियों में खाद नहीं, भटक रहे किसान

पहला (सीतापुर)। विकासखंड पहला तथा बिसवां क्षेत्र की साध ान सहकारी समितियों में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है। यहां डीएपी न होने के कारण किसानों को प्राइवेट खाद की दुकानों पर महंगी दामों पर खरीदना पड़ रहा है। किसानों ने खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। बरसात के बाद अब किसानों द्वारा खेत की तैयारी कर आलू गेंहू मटर, लाही और चना तथा मसूर की बुआई शुरू करनी है। इसके लिए किसानों को डीएपी खाद की जरूरत है। लेकिन साधन सहकारी समितियों में खाद ही नहीं है। किसान समिति का दरवाजा देख कर लौट जा रहे हैं। इसके बाद निजी दुकानों से खाद खरीद कर खेतों में डाल रहे हैं। इसके लिए किसानों को नकली दाम महंगे दामों में खरीदनी पड़ रही है। गौर हो की जब किसानों को फसलों की बुवाई करनी होती है तभी दुकानों से खाद गायब हो जाती है जिसका लाभ प्राइवेट दुकानदार लेटे है। किसान प्रदीप शुक्ल शिवबालक शुक्ल तेजभान, सतीश वर्मा, रमजान, हजारी, माधवराम, कुलदीप कुमार आदि ने बताया कि काफी अरसे से समिति में खाद न होने से परेशानी हो रही है। किसानों ने समिति पर खाद उपलब्ध कराने की मांग की है।

एसपी को शिकायती पत्र देकर लगाया गम्भीर आरोप

मिश्रित (सीतापुर)। जनपद हरदोई के थाना कछौना के ग्राम भुतहइया मजरा टिकारी निवासी इरफान पुत्र जहूर ने पुलिस अध ीक्षक को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि कोतवाली मिश्रित के ग्राम बिनौरा में उसकी रिश्तेदारी है। बीते दिन वह अपनी रिस्तेदारी को आया था और 15 नवंबर को ग्राम बिनौरा से अपने घर वापस जा रहा था। तभी बरगदिया पुल के पहले स्थित पुलिस चेक पोस्ट पर पुलिस कर्मियों द्वारा उसकी कार नंबर यूपी 32 ई एफ 98 36 को रोककर एसआई जय किशन तिवारी ने पुलिस कर्मियों के साथ तलाशी लेने लगे लगा। गाड़ी में कुछ न मिलने के बावजूद भी गाड़ी सीज कर देने की धमकी दी। पीड़ित ने कहा मेरी गाड़ी में ऐसा क्या मिला है। जो मेरी गाड़ी सीज कर दोगे तो उपरोक्त दरोगा अपशब्दों का प्रयोग करते हुए सुबिधा शुल्क की मांग की। जिस पर पीड़ित अपने मोबाइल से वीडियो बनाने लगा तो दरोगा ने उसका मोबाइल छीन कर वीडियो डिलीट कर दिया और गाड़ी में रखी पर्स से रुपए निकाल कर थाने में बंद कर देने की धमकी दी। आरोप है कि उपरोक्त दरोगा प्रत्येक दिन चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली करता रहता है। इसलिए पीड़ित शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक को मामले का शिकायती पत्र देकर कार्यवाही करने की मांग की है।

डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस सम्पन्न

सीतापुर। जिलधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक द्वारा गत किसान दिवस बैठक में प्राप्त समस्याओं के निस्तरण की स्थिति से अवगत कराया गया। जिसमें पाया गया कि विद्युत वितरण खण्ड प्रथम एवं द्वितीय की 08 शिकायतों के अतिरिक्त अन्य किसी अधि ाकारी द्वारा गत किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण नहीं किया गया। जिला विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि किसानों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर नियमानुसार निस्तारण कर अनुपालन आख्या एक सप्ताह में उप कृषि निदेशक को आवश्यक रूप से उपलब्ध कराई जाये। जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में फास्फेटिक उर्वरकों की कमी नहीं है। किसान भाई डी0ए0पी0 के स्थान पर एन0पी0के0 अथवा सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग कर सकते है। कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा0 दयाशंकर श्रीवास्तव द्वारा कृषकों को जानकारी दी गयी कि रवी की फसलों की बुवाई भूमि शोधन व बीज शोधन के बिना न करें व किसान भाई पी०एस०वी0 कल्चर का भी प्रयोग करें। किसान दिवस में सर्वाधिक शिकायतें विद्युत व सिंचाई विभाग से प्राप्त हुयीं, सम्बन्धित को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया।

कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, डा0 एस0के0 सिंह, जिला कृषि अधिकारी मनजीत कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, शिवशंकर, भूमि संरक्षण अधिकारी, राजितराम, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारी समितियां एन0सी0 शुक्ला के साथ ही किसान दिवस से सम्बन्धि ात अधिकारीध्कर्मचारी एवं किसान भाई तथा विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित हुये।

संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में हुआ पुरस्कार वितरण

परसेण्डी (सीतापुर)। संकुल संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता संकुल जरेली की कंपोजिट विद्यालय रसूलपुर में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी ऋषिकेश सिंह, नवीन श्रीवास्तव अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ परसेंडी द्वारा पुरूस्कार वितरण किया गया। प्राथमिक एवं जूनियर वर्ग के बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जूनियर वर्ग 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर 600 मीटर में क्रमशः रोचक 100 मीटर में प्रथम स्थान व मोहम्मद साहेब द्वितीय स्थान व सानिया आलम तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार बालिका वर्ग में लक्ष्मी रसूलपुर फर्स्ट ज्योति जरेली द्वितीय तथा गोल्डी राज तृतीय स्थान पर रही। खो खो जूनियर स्तर रसूलपुर प्रथम व अमोरा मोती सिंह द्वितीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में रसूलपुर प्रथम स्थान व अमौरा मोती सिंह द्वितीय स्थान पर रहा। 200 मीटर जूनियर स्तर की दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम स्थान घनश्याम, रसूलपुर द्वितीय स्थान, हारून नागपुर व तृतीय स्थान रणबीर समय रहा। इसी प्रकार बालिका वर्ग में प्रथम स्थान ज्योति जरेली प्रथम चांदनी सलीमा तृतीय वरलक्ष्मी रसूलपुर तृतीय स्थान पर रही आज की प्रतियोगिता के आयोजन की मुख्य भूमिका निम्नलिखित शिक्षकों ने प्रेमचंद, रुप किशोर अवस्थी, कुलदीप मौर्य द्विवेदी, नीरज पाठक, अशोक गुर्जर, स्वतंत्र सिंह, भवानी शंकर, अनुराग, कार्यक्रम का संचालन आकाश पांडे ने किया। समस्त संकुल शिक्षक उपस्थिति रहे।

सण्डीला एसडीएम की खनन माफियाओं से साठ गांठ नियम विरुद्ध करवा रहे अवैध तरीके से खाना

हरदोई ।जिले में ज्यादातर तहसीलों में रात के अंधेरे मे जोरो पर खनन हो रहा है। और सबसे बड़े ताज्जुब की बात है। कि खनन हो की सूचना देने पर भी सम्बंधित विभाग या अधिकारी मौके पर नही पहुँचते है। आज ऐसा ही एक प्रकरण जिला हरदोई की तहसील सण्डीला से जुड़ा हुआ है। सण्डीला एसडीएम ने अपने अधि ाकार क्षेत्र से बाहर जाकर खनन की परमिशन दे दी ।आपको बताते चले कि एसडीएम सण्डीला देवेंद्र पाल सिंह ने मई 2022 व जून 2022 में अपने अधिकार क्षेत्र से हटकर अनिमिय रूप से बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड इंड्रस्ट्रीयल एरिया सण्डीला निर्माणाधीन फैक्ट्री से 20005000 कुल 7000 घनमीटर मिट्टी को प्राइवेट फैक्ट्री में0इकरा एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में दो बार उठानध्परिवहन की अनुमति प्रदान कर दी ।आपको बताते कोई भी एसडीएम 100 घनमीटर तक ही उठानध्परिवहन तक की अनुमति दे सकता है ।अगर किसी फर्म या व्यक्ति को 100 घनमीटर से अधिक ऊपर उठानध्परिवहन करना होता है तो उसे जिलाधिकारी से परमिशन लेनी होती है ।इस पूरे प्रकरण को हरदोई जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने गम्भीरता से लिया और एसडीएम सडीला को कारण बताओ नोटिस जारी किया है इस कारण बताओ नोटिस का जवाब एसडीएम संडीला को तीन दिवस के भीतर अपना जवाब देना होगा।

राष्ट्र निर्माण में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ का सदैव से रहा है विशेष योगदान-जिलाधिकारी

हरदोई ।जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जनपद के सम्मानित मीडिया बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी गयीं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों का आम जनमानस तक पहुँचाने में मीडिया बंधुओं का बहुत बड़ा योगदान है। राष्ट्र निर्माण में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की महत्वपूर्ण भूमिका है ।जिला सूचना अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सभी मीडिया बंधुओं को शुभकामनाएं दी गयीं। उन्होंने कहा कि'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मीडिया बन्धुओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष और दायित्वपूर्ण प्रेस की मौजूदगी का एहसास दिलाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना 04 जुलाई, 1966 को हुई तथा 16 नवम्बर, 1966 से विधिवत कार्य प्रारम्भ हुआ। इसी दिन को'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

जमीन कब्जा के विरोध में वृद्धा सहित बहूं को पुलिस ने पीटा

जौनपुर। लाइनबाजार थाना अंतर्गत क्षेत्र परियावा गांव मे एक वृद्धा की विवादित भूमि पर पुलिस की मिलीभगत से हो रहे कब्जे का विरोध करने पर वृद्धा व उसकी बहू को बुरी तरह से मारापीटा । यह आरोप वृद्धा ने लगाया। ` परियावा गांव निवासिनी 60 वर्षीया विधवा सायला गुप्ता पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र कुमार गुप्ता एवं उसकी बहू सोनी गुप्ता 30 वर्षीय अपने छोटे.छोटे बच्चों के साथ दोनों महिलाएं घर पर अकेली रह रही थी। कि पड़ोस की रहने वाली एक महिला से उसका भूमि विवाद चल रहा था जिसका मुकदमा दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है। इस संबंध में सायला गुप्ता ने प्रशासनिक अधिकारी से लेकर पुलिस विभाग के आलाधि ाकारियों को कई प्रार्थना पत्र दिया है कि उसके विपक्षी द्वारा उसकी भूमि पर अवैध ढंग से कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। मंगलवार दिन में विपक्षी द्वारा विवादित भूमि पर दीवाल जोड़कर मढ़हा रखने लगे सास और बहू द्वारा इसका विरोध किया गया। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने सास और बहू दोनों को पकड़कर अपने साथ थाने ले आई और महिला कांस्टेबल व पुरुष कांस्टेबल द्वारा दोनों को बुरी तरह से लात और जूतों से पीटा गया ऐसा वृद्ध महिला ने आरोप लगाया है। जबकि वही उक्त प्रकरण में थाना पुलिस द्वारा दूसरे पक्ष को पकड़कर नहीं लाया गयाए जो मौके पर उक्त विवादित भूमि पर अपना कब्जा कर रहा था। सास और बहू को पुलिस की पिटाई से गंभीर चोट आई हैं।

निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन डीएम ने मातहतों से ली जानकारी

प्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों एवं आपत्तियों का समय पर निस्तारण कराकर सूची प्रेषित करें-एम0पी0सिंह

हरदोई ।आगामी नगरीय निकाय के होने वाले मतदान हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों प्रतिनिधियों के साथ आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने वीडियों कान्फेसिंग के माध्यम से सभी उप जिलाधि ाकारी, तहसीलदार तथा ईओ से मतदान केन्द्र एवं बूथों के परिवर्तन आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारी एवं अधि ाशासी अधिकारियों को निर्देश दिये कि मतदान केन्द्र बढ़ाने एवं बूथों के परिवर्तन प्रस्ताव की सूची शाफ्ट कापी में भेजें। उन्होने गोपामऊ, शाहाबाद, बिलग्राम, साण्डी तथा सण्डीला नगर पालिका कार्यालय में बनाये गये बूथों के सम्बन्ध में एसडीएम तथा ईओ को निर्देश दिये कि यदि सम्भव हो तो नगर पालिका कार्यालय के बूथों को पास के विद्यालय में शिफ्ट कराये इसके अतिरिक्त जो बूथ वार्ड से अधिक दूरी पर है वहां के मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखतें हुए अगर पास में सरकारी विद्यालय नहीं है तो पास के निजी विद्यालय को मतदान केन्द्र बनाने का प्रस्ताव प्रेषित करें।

जिलाधिकारी ने वीडियो कान्फेसिंग के माध्यम से एसडीएम सदर, बिलग्राम, शाहाबाद, सण्डीला तथा सवायजपुर तथा संबंधित नगर निकाय के ईओ को निर्देश दिये कि राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि ायों से प्राप्त प्रस्तावों को ध्यान में रखकर बूथों को निरीक्षण कर लें और सभी मतदान केन्द्रों पर विद्युत, पेयजल, शौचालय आदि व्यवस्थाओं को प्राथमिकता पर देख लें और जहां कमियां हो उन्हें तत्काल ठीक करायें। उन्होने उपस्थित प्रतिनिधियों से कहा कि प्राप्त प्रस्तावों एवं आपत्तियों का समय पर निस्तारण कराया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधि ाकारी वन्दना त्रिवेदी, सहायक निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार, भाजपा प्रतिनिधि राजेश अग्निहोत्री, सपा, बसपा एवं अन्य दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

किसान दिवस का आयोजन कर अन्नदाताओं की समस्याओं से अधिकारी हुए रूबरू

हरदोई। किसान दिवस के अवसर पर विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप कृषि निदेशक डा0 नन्द किशोर ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता है ।कि किसानों को खाद, बीज समय पर उपलब्ध कराया जाये तथा विद्युत आदि समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जायें ।बैठक में गांव में लटकते तारों के सम्बन्ध में डीडी कृषि ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि गांव में करायें गये कार्यो की रिपोर्ट एसडीओ से प्राप्त करने के उपरान्त किये गये कार्यो का स्थलीय निरीक्षण करें और गलत आख्या प्रस्तुत करने वाले एसडीओ पर कार्यवाही करें।

बैठक में किसानों द्वारा सहकारी समिति मंसूर नगर, बघौली आदि को पुनः संचालित करने की मांग पर डीडी कृषि ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि बन्द सहकारी समितियों को पुनः संचालित करने का विकल्प तलाशे ताकि किसानों को पास की समितियों पर खाद, बीज, कीटनाश दवाओं आदि उपलब्ध हो सकें।

निराश्रित पशुओं के सम्बन्ध ा में डीडी कृषि ने किसानों को आश्वासन दिया कि गांव आदि में आवारा घूमने वाले निराश्रित पशुओं को शीघ्र संबंधित विभाग के कर्मचारियों के माध्यम से पकड़वाकर पशु आश्रय स्थलों में भेजा जायेगा। गांव में माईनर तक पानी पहुंचाने के सम्बन्ध में डीडी कृषि ने अधिशासी अभियंता शारदा नहर से कहा रोस्टर के अनुसार नहरों में पानी आने पर गांव के किसानों को माईनर के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध करायें। बैठक में जिला कृषि अधिकारी उमेश शाहू सहित अन्य संबंधि ात विभाग के अधिकारी एवं किसान यूनियन के पदाधिकारीध सदस्य आदि उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के लिए 24 का नामांकन

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के चुनाव के लिए बुधवार को विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। जिसमें कोषाध्यक्ष व सदस्यों को निर्विरोध निर्वाचित होना तय माना जा रहा है ।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षक कर्मचारी संघ का चुनाव 22 नवंबर को होगा। जिसके लिए 16 नवंबर को नामांकन कराया गया ।जिसमें निर्धारित समय तक विभिन्न पदों के लिए कुल 24 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए डॉ स्वतंत्र कुमारए नंद किशोर सिंहए वारिन्द्र यादव ने नामांकन किया । महामंत्री पद के लिए रमेश चंद्र यादवए श्याम त्रिपाठी एउमाशंकर यादवए राजकुमार व उपाध्यक्ष पद के लिए स्वामीनाथ प्रसादए ऋषि रघुवंशीए केशव प्रसादएने नामांकन किया। जबकि संयुक्त मंत्री पद के लिए सुरेंद्र बहादुर सिंहए अमजद अलीए जियालाल यादव ने नामांकन दाखिल किया। जबकि कोषाध्यक्ष के लिए अकेले शमशाद अली ने नामांकन किया है और सदस्य पद के 11 पदो के लिए कुल 10 नामांकन हुए हैं। जिसमें राकेश कुमारएराजेश कुमारए ज्ञानचंद विश्वकर्माए कैलाश यादवए सुध ीर कुमारए जैनेंद्र विश्वकर्माए अखिलेश कुमार शुक्लाए वेद प्रकाश श्रीवास्तवए विनोद गौतमए अनिल कुमार सिंह शामिल है। जिससे कोषाध्यक्ष एवं सदस्य पद के प्रत्याशियों का निर्विरोध होना तय हो गया है। हालांकि 17 नवंबर को पर्चा वापसी का भी समय निर्धारित किया गया है । कुल 331 कर्मचारी इन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। नामांकन प्रक्रिया चुनाव अधिकारी प्रो रवि प्रकाश की देखरेख में हुआ ।जिसमें प्रो मुराद अलीए डा0 राजकुमार सोनीए डॉ0 ज्ञानेंद्र पालए डा0 गिरिधर मिश्रए डॉ0 संजीव गंगवारए डॉ प्रवीण कुमार सिंहए डॉ0 अजय मौर्यए डॉ0 शैलेश कुमार प्रजापतिए अमृतलाल ने चुनाव संचालन समिति में शामिल रहे।

चुप्पी तोड़ हल्ला बोल बाल यौन शोषण के नियंत्रण और पश्क्सो कानून की जागरुकता को लेकर हुई कार्यशाला

हरदोई ।आईपीएल–(इंडियन पेस्टीसाइड लिमिटेड) तथा समाध ान अभियान का प्रोजेक्ट ष्चुप्पी तोड़ हल्ला बोलष के अंतर्गत बीते कल बाल यौन शौषण के नियंत्रण और पॉक्सो कानून एवं उससे संबंधित समस्याओं की जानकारी हेतु स्थानीय वेणी माधव विद्यापीठ बालिका इंटर कॉलेज में कार्यशाला की गई। जिसमें 130 से अधि ाक युवाओ ने प्रतिभाग किया। इसके साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसका पुरस्कार वितरण रविवार को बालमित्र सेंटर कोतवाली देहात में होगा। समाधान अभियान विगत कई वर्षों से बाल यौन शोषण के नियंत्रण तथा पॉक्सो कानून के बारे में जागरूकता के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यरत है। प्रोजेक्ट समन्वयक समाधान अभियान सौम्या द्विवेदी ने बताया कि अधिकतर बाल यौन शोषण जान पहचान के लोग करते हैं। इसलिए बच्चों को सुरक्षा की सीमाओं के बारे में बताना आवश्यक है। विद्यालय की प्रधानाचार्या गीता शुक्ला ने युवाओं को सुरक्षा के बारे में बताया एवं भविष्य के प्रति सजग रहकर कार्य करने की सलाह दी। सहयोग में ट्रेनर आलोकिता श्रीवास्तव, सूरज एवं विद्यालय की शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

निकाय चुनाव को लेकर पूर्व चेयरमैन के नेतृत्व में हुई बैठक

तंबौर (सीतापुर)। निकाय चुनाव को लेकर कस्बे के अंबेडकर नगर में पूर्व चेयरमैन इस्तियाक खान की अगुवाई में की गई। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के बैनर तले चुनाव लड़ने का एलान कर मीटिंग का आयोजन किया। हालांकि विधानसभा चुनाव इस्तियाक खान सपा के साथ रहकर प्रचार किया था। आयोजित सभा में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह, महिला अध्यक्ष ममता मल्होत्रा के द्वारा सभा में मौजूद कार्यकर्ताओं व समर्थकों को सम्बोधित किया गया। इससे पहले भी पूर्व चेयरमैन इस्तियाक खान राजद से चेयरमैन रह चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय जनता दल अशोक सिंह ने पूर्व चेयरमैन इस्तियाक खान के पक्ष में मौजूद लोगों से अपील भी किया। इस मौके पर इंजीनियर ममता मल्होत्रा महिला अध्यक्ष आरजेडी, विद्ययुत सिंह राजद, इश्तियाक खान पूर्व चेयरमैन, दानिश खान पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अशफाक खान, आफताब आलम, संजय नेता, राहत अली, आरिफ खां, मौलाना अतीक मंसूरी, मौलाना हनीफ पप्पू, मो0 आफताब, इकबाल खा, शाहबाज खान, फैज खान, अफजाल खान, नोमान अशरफ, अकरम राइन, रिजवान हयात, अजीम अज्जू आदि इस दौरान भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

छह विपणन निरीक्षक एवं 14 केंद्र प्रभारियों का वेतन बाधित

देवरिया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश के क्रम में खरीफ विपणन वर्ष 2022–23 में संतोषजनक गति से धान क्रय नहीं करने पर धान क्रय केंद्र प्रभारी देसही देवरिया, पकड़ी बुजुर्ग, बैतालपुर बी, भटनी, भागलपुर तथा रुद्रपुरध्गडेर के क्रय केंद्र प्रभारियों का वेतन बाधित कर दिया गया है। इन केंद्रों पर प्रभारी के तौर पर मार्केटिंग इंस्पेक्टर की तैनाती की गई है। सभी केंद्रों द्वारा सम्मिलित रूप से 15 दिनों में महज 40 क्विंटल धान का क्रय किया गया है। इन सभी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। धीमी गति से धान क्रय करने पर केंद्रों पर तैनात कोआपरेटिव के 14 प्रभारी सचिवों का नवंबर माह का वेतन बाधित किया गया है। जिन प्रभारी सचिवों का वेतन बाधित किया गया है, उनमें साधन सहकारी समिति बैकुंठपुर, साधन सहकारी समिति खोराराम, साधन सहकारी समिति श्रीनगर बरडीहा, साधन सहकारी समिति रावतपार,साधन सहकारी समिति छपैली, साधन सहकारी समिति लक्ष्मीपुर, साधन सहकारी समिति रामनगर, साधन सहकारी समिति विशुनपुरा, साधन सहकारी समिति शिवपुर, साधन सहकारी समिति खोरीबारी, साधन सहकारी समिति भिंगारी, साधन सहकारी समिति कोडरा, साधन सहकारी समिति परसिया छितनी सिंह, साधन सहकारी समिति अनंतपुर शामिल हैं।

जिले में मिले डेंगू के तीन संदिग्ध मरीज

देवरिया। डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। प्रतिदिन मरीज सामने आ रहे हैं। तीन संदिग्ध मरीज मिले हैं। जिनका मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। उनके ब्लड के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। इस समय अस्पताल में डेंगू के चार मरीजों का उपचार चल रहा है। जनपद में डेंगू बढ़ रहा है। शहर के मोहल्लों के अलावा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मरीज मिल रहे हैं। वहीं, गैर जिले तथा प्रांत से आने वाले लोग भी पीड़ित मिल रहे हैं। विकास खंड रामपुर कारखाना क्षेत्र के का एक युवक दो सप्ताह से बुखार, शरीर व सिर दर्द से पीड़ित है। उसने प्राइवेट में इलाज कराया, लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचा, जहां भर्ती कर इलाज शुरू हुआ। इसके बाद आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। वहीं, बिहार प्रांत के विजयीपुर क्षेत्र का एक व्यक्ति दस दिन से बुखार, शरीर दर्द से पीड़ित है। उसे कमजोरी भी है। प्राइवेट में दवा कराने पर आराम नहीं मिला। इसके बाद परिजन उसने लेकर इमरजेंसी पहुंचे, जहां लक्षण के आधार पर उसे आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया गया। उधर, बघौचघाट क्षेत्र के एक व्यक्ति शहर के एक मोहल्ले में मकान बनवाकर रहते हैं। वह एक सप्ताह से बुखार, शरीर व सिर दर्द से पीड़ित हैं। प्राइवेट में दवा लिए, लेकिन कमजोरी महसूस होने के कारण वह अस्पताल के ओपीडी में पहुंचे, जहां परीक्षण के बाद लक्षण के आधार पर चिकित्सक ने आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर दिया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एचके मिश्रा ने बताया कि डेंगू के मरीजों के इलाज के लिए अस्पताल में व्यवस्था की गई है। यहां बेड, दवा व जांच की निशुल्क सुविधा है।

फोरेंसिक टीम ने नीरज के प्रेमिका के घर से लिए नमूने

बरहज। भलुअनी थाना क्षेत्र के विलासपुर गांव निवासी नीरज तिवारी के प्रेमिका घर से गायब होने मामले में .फोरेंसिक टीम की फील्ड यूनिट ने जगह–जगह से नमूना लिया। जबकि खेत में संदिग्ध स्थानों खुदाई कराते हुए पड़ताल की गई। हालांकि, दो नवंबर की रात नीरज के गायब होने के बाद उसके प्रेमिका के पिता की लोकेशन भागलपुर पुल पर मिलनी बताई जा रही है। फिलहाल, पुलिस अभी तक किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। स्थानीय पुलिस के साथ एसओजी और फोरेंसिक टीम नीरज के प्रेमिका के गांव पहुंची। करीब तीन घंटे तक रही जांच टीम ने घर के अंदर कमरों सहित अन्य जगहों से नमूने लिए। वहीं, गांव के बाहर उसके खेत में संदिग्ध प्रतीत होने वाले जगहों की खुदाई कराकर पड़ताल की। पुलिस के अनुसार नीरज प्रकरण में हत्या कर शव ठिकाने लगाने और प्रेमिका को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने जैसे बिंदु पर जांच की जा रही है। भागलपुर पुल पर प्रेमिका के पिता की लोकेशन मिलने को लेकर पुलिस सरयू नदी खंगलवाने की कवायद कर रही है। नीरज मामले में पुलिस 14 दिन बाद भी खाली हाथ है। ग्रामीणों के अनुसार नीरज के प्रेमिका के परिजन ऊंचे रसूख वाले हैं। इसको लेकर कोई कुछ भी कहने से गुरेज कर रहा है। लोग जनपद के थानों में उनकी पकड़ बता रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष जयशंकर मिश्र ने बताया कि नीरज मामले में हर बिंदु पर जांच की जा रही है। जल्द ही मामला सामने आ जाएगा।

चोरी की 18 मोटरसाइकिलों के साथ चार गिरफ्तार

महराजगंज। सदर कोतवाली, एसओजी व स्वाट की संयुक्त टीम ने वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश किया है। टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर सदर कोतवाली क्षेत्र के कटहरा शिव मंदिर के पीछे से चोरी की 18 मोटरसाइकिलों को बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अपने कार्यालय सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चोरों का एक गैंग बड़ी संख्या में चोरी के वाहन को कटहरा से लखिमा थरुआ के रास्ते कहीं भेजने की फिराक में है। सूचना के आधार पर कोतवाली, स्वाट व एसओजी टीम के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने नजर रखना शुरू कर दिया। लखिमा थरुआ से आने वाली सड़क पर दो वाहनों से चार लोग आते दिखे तो पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास किया मगर विफल रहे। पकड़े गए अभियुक्त रामप्रवेश चौहान निवासी बौलिया राजा के पास से एक देशी तमंचा व 12 बोर का जिंदा कारतूस मिला। उसके साथ ही मौके से शमशेर अली निवासी रौतार थाना निचलौल, द्वारिका लोहिया निवासी विवेकानंद नगर सिसवा तथा रामकेवल निवरसी धमउर थाना निचलौल को भी गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर कटहरा शिवमंदिर के पास छिपाकर रखे गए चोरी के 16 अन्य वाहनों को भी बरामद किया गया। बड़ी बरामदगी करने वाली टीम में सदर के प्रभारी निरीक्षक रवि राय, एसओजी प्रभारी सुनील कुमार राय के साथ ही स्वाट टीम के प्रभारी रामकृपाल सिंह व उनके सहयोगी पुलिसकर्मियों ने अहम भूमिका निभाई है। चोरी के वाहनों को नेपाल पहुंचाते थे वाहन चोरः पकड़े गए वाहन चोरों ने बताया कि वे चोरी के वाहनों को एक–एक तथा दो–दो की संख्या में नेपाल व अन्य जगहों पर बेचने का कार्य करते हैं। वाहन के एवज में मिलने वाली धनराशि को आपस में बांट लेते हैं।

ऑनलाइन दर्ज आंकड़े तथा स्टॉक में उपलब्ध धान में अंतर

डीएम ने किया धान क्रय केंद्र गड़ेर का निरीक्षण, डीएम ने जताई नाराजगी, किया स्पष्टीकरण तलब

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद प्रताप सिंह ने बुधवार को भलुअनी ब्लॉक के गड़ेर में धान क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। धान क्रय से संबंधित ऑनलाइन क्रय प्रणाली में दर्ज आंकड़े तथा स्टॉक में उपलब्ध धान की मात्रा में अंतर मिला। डीएम ने नाराजगी जताते हुए केंद्र प्रभारी से स्पष्टीकरण तलब किया। डीएम खाद्य विभाग द्वारा संचालित राजकीय धान क्रय केंद्र गडेघ्र पहुंचे। यहां धान खरीद से संबंधित ऑनलाइन पोर्टल पर लॉगिन कर केंद्र पर अब तक हुई खरीदारी का ब्योरा देखा। इसमें तीन किसानों से 54 क्विंटल धान का क्रय दर्ज मिला। उन्होंने क्रय केंद्र के स्टॉक में मौजूद धान की मात्रा की जांच कराई, जिसमें 36 क्विंटल धान ही मौके पर उपलब्ध मिला। इस पर डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और क्रय केंद्र प्रभारी विपणन निरीक्षक जगदीश को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्टीकरण तलब किया। उन्होंने कहा कि सरकारी अभिलेख में दर्ज और स्टॉक में मौजूद मात्रा में अंतर मिलना लापरवाही को दर्शाता है। इसकी जवाबदेही तय करके सखघ्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने स्टॉक में रखे धान के बोरों पर क्रय तिथि का उल्लेख करने के निर्देश दिए। क्रय केंद्र पर आने वाले किसानों का धान प्राथमिकता के आधार पर खरीदा जाए। किसी भी दशा में किसानों को वापस न किया जाए। किसानों से अनुरोध किया कि यदि उन्हें निध ार्रित मानकों के तहत क्रय केंद्र पर धान बेचने में किसी भी तरह की समस्या हो रही हो तो उनके सीयूजी नंबर 9454417543 पर अवगत कराएं। समुचित कार्रवाई की जाएगी।

आमने–सामने भिड़ंत में बाइक मिस्त्री की मौत, एक घायल

रुद्रपुर-पिड़रा मार्ग पर हुई घटना, घायल जिला अस्पताल रेफर किए गए

रुद्रपुर। आमने–सामने हुई भिड़ंत में एक बाइक मिस्त्री की मौत हो गई। दूसरे बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मृतक एकौना थाना क्षेत्र के खोपा गांव का निवासी है। घटना शाम रुद्रपुर–पिड़रा मार्ग पर परसौना मोड़ पर हुई। खोपा गांव के रहने चंदन कुमार विश्वकर्मा (40) पचलड़ी डीह चौराहे पर बाइक मिस्त्री का काम कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। वह बुलेट से रुद्रपुर की तरफ से दुकान की तरफ लौट रहे थे, वहीं, बाइक से देवरिया कोतवाली के चकिया निवासी राजेश शर्मा (37) घर को लौट रहे थे। दोनों बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था। परसौना गांव के समीप दोनों बाइक सवारों की आमने सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। चंदन बुलेट समेत सड़क के किनारे जा गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चकिया निवासी राजेश के सीने के गंभीर चोट लगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चंदन की मौत की खबर सुनते ही पचलड़ी और खोपा के लोगों की घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंचे परिजनों की चीख–पुकार से पूरा मंजर गमगीन हो गया। चंदन की पत्नी मीना देवी दहाड़ें मारकर रोने लगीं। पति के मरने पर वह बार–बार बेहोश हो जा रही थी। बच्चे अंश और आयुष बेजार होकर रोने लगे। बाबा रामअवध नाती की मौत पर बदहवाश हो गए।

जनपदीय बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह का हुआ शुभारंभ

महराजगंज। तीन दिवसीय जनपदीय बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह का शुभारंभ जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज प्रांगण में हुआ। समारोह का उद्घाटन जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार द्वारा गुब्बारा उड़ा कर किया गया। छात्रों और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा खेलकूद शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी हैं। इसके अलावा खेलों के माध्यम से बच्चों में टीम भावना, लीडरशिप जैसे गुणों का विकास भी होता है। जिलाधिकारी ने सभी बच्चों को अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं भी दीं। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने देवी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित किया और दीप प्रज्वलन किया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, प्राचार्य डायट अभिजीत सिंह, जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज के प्रबंधक बलराम भट्ट सहित शिक्षकगण और छात्रध्छात्रायें उपस्थित रहीं।

घनानन्द यादव ने सम्मानित जनता से सपा के पक्ष में जीत का किया अपील

सपा सरकार में जन जन का विकास प्राथमिकता: घनानंद

गोला गोरखपुर आगामी नगर पंचायत चुनाव को देखते हुए समाजवादी

पार्टी के चेयरमैन पद के भावी प्रत्याशी व पूर्व जिपंस घनानन्द यादव ने गुरुवार को नगर पंचायत गोला के समाहित गांव बिसरा में सम्मानित साथियों के साथ जनसंपर्क कर सम्मानित जनता से सपा के पक्ष में जीत का किया अपील। इस मौके पर श्री यादव ने सपा सरकार की जनकल्याणकारी विकास कार्यों को बताते हुए सम्मानित जनता से जीत का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा है कि जन जन का विकास कर प्रदेश को आगे बढ़ाएं। मैं सम्मानित जनता से समाजवादी पार्टी के इस लाल को जीत का आशीर्वाद देकर नगर पंचायत में प्रदेश जैसा विकास कार्य को कराएं कि प्रदेश में नगर पंचायत विकास के क्षेत्र में आगे हो।इस अवसर पर शेषनाथ यादव ,संजय यादव,हरेंद्र यादव, श्रीकांत यादव ,महंत यादव ,लालू यादव ,ताज मोहम्मद जय, अखिलेश यादव, कन्नौजिया ,अमित यादव, विशुनधारी निषाद सहित आदि सम्मानित साथी शामिल रहे।

ट्रक से भिड़ी मैजिक गाड़ी, दो लोगों की मौत, नौ लोग घायल

महराजगंज। फरेंदा–महराजगंज मार्ग पर अमहवा गांव के निकट तड़के चार बजे एक मैजिक ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि मैजिक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मैजिक में सवार नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, मैजिक गाड़ी फरेंदा की तरफ से सवारियों को लेकर महराजगंज आ रही थी। इसी तरफ से ट्रक जा रहा था। अमहवा गांव के सामने मैजिक अनियंत्रित होकर ट्रक से भिड़ गई। भीषण हादसे में मैजिक चालक देवेश (35) कुमार निवासी करौता की मौके पर मौत हो गई। जबकि अजय (35) निवासी शास्त्री नगर की इलाज के दौरान मौत हो गई। मैजिक का अगला हिस्सा ट्रक में फंस जाने से चालक के शव को कटर मशीन से काटकर निकाला गया। मैजिक में सवार रामेश्वर (55) निवासी करौता, शराफत अली (28) निवासी पिपरा काजी, रहीस खान (29) निवासी पिपरा रसूलपुर, अब्दुल रहीम (45) निवासी गैसड़ी, शिव मणि त्रिपाठी (23) निवासी घौलीकला, भूपत (50) निवासी करौता, सत्येंद्र (24) निवासी बहरामपुर, अब्दुल (41) एवं मोहम्मद रफीक (18) निवासी बलरामपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के तुरंत बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल ले जाने में मदद की। सदर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार राय ने बताया कि घायलों में दो व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि नौ लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हैण्डबाल प्रतियोगिता आगरा में गोरखपुर की टीम हुई उप विजेता

गोरखपुर ।खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं खेल संघ समन्वय के द्वारा 12 से 15 नवम्बर तक प्रदेशीय जूनियर हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय खेल कार्यालय,आगरा में किया गया था ।जिसमें गोरखपुर मण्डल की टीम ने फाईनल में स्थान बनाते हुए उप विजेता हुई ।इसके पूर्व क्वार्टर फाईनल मैच में गोरखपुर मण्डल नें प्रयागराज मण्डल को 23–18 से पराजित कर सेमी फाइनल में प्रवेश किया था ।तथा सेमीफाइनल में बस्ती मण्डल को 20–10 अंको से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया ।प्रतियोगिता में गोरखपुर की तरफ से खिलाड़ी हैं,मुस्कान चौहान,ज्योति चौहान,निक्की चौहान,समृध्दि सिंह,ज्योति पटेल अनन्या आदि ने सराहनीय खेल का प्रदर्शन किया ।इस उपलब्धी पर क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अंगद सिंह,सचिव जिला हैण्डबाल संघ, संजय राय,सह सचिव,अरुण शुक्ला,सुधीर विश्वकर्मा,प्रवीण कुमार,सुजीत गौतम,विशाल,अजय सिंह, श्रीमती विजय लक्ष्मी,सीमा विश्वकर्मा,संध्या यादव,सृजन त्रिपाठी आदि प्रशिक्षक नें नफीस अहमद हैण्डबाल कोच एवं टीम को बधाई दी।

अस्पतालों में डाक्टरों की उपस्थिति नियमित रूप से चेक की जाये: मण्डलायुक्त

बस्ती सू.वि.। हर्रैया में निर्मित 100 बेड का महिला अस्पताल तीन महीने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित न किए जाने पर मण्डलायुक्त गोविंदराजू एन.एस. ने नाराजगी व्यक्त किया है। मण्डलीय समीक्षा बैठक में उन्होने कार्यदायी संस्था को अवशेष कार्य पूर्ण करके एक सप्ताह में हस्तांतरित करने का निर्देश दिया है। उन्होने कहा कि अस्पतालों में डाक्टरों की उपस्थिति नियमित रूप से चेक की जाय। सरकारी अस्पतालों में भी उपचार की बेहतर सुविधा उपलब्ध करायी जाय।

समीक्षा में उन्होने पाया कि परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत नयी पहल किट बस्ती तथा संतकबीर नगर में युगलों को एक भी किट वितरित नही किया गया है, जबकि सिद्धार्थनगर में लगभग 3000 किट वितरित किया गया है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत पिछले माह 1878 तथा इस माह 2426 बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल नही भेंजा गया। निरीक्षण में केवल संतकबीर नगर में दो डाक्टर अनुपस्थित पाये गये है, जबकि अन्य जिलों में यह संख्या शून्य है। पिछले वित्तीय वर्ष में विभाग द्वारा लगभग 80 करोड़ रूपया विभिन्न योजनाओं में खर्च किया गया है, परन्तु अभी तक उसका आडिट नही कराया गया है। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत बस्ती जिले में 12642 में से 6687 आशाओं का मानदेय भुगतान नही किया गया है। मण्डलायुक्त ने इस स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया है तथा समय से भुगतान सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। संतकबीर नगर में 3532 तथा सिद्धार्थनगर में 2200 आशाओं का मानदेय का भुगतान अवशेष है। मण्डलायुक्त ने गोल्डन कार्ड बनाने की प्रगति धीमी पाये जाने पर असंतोष व्यक्त किया है। समीक्षा में उन्होने पाया कि मण्डल में कुल 2204322 लाभार्थियों के सापेक्ष 644002 गोल्डन कार्ड बनाये गये है, जो 28.92 प्रतिशत है। मण्डल में 298728 परिवार ऐसे है, जिनमें कम से कम एक सदस्य का गोल्डन कार्ड बन गया है। उन्होने सभी अन्त्योदय कार्डधारको का गोल्डन कार्ड बनाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होने माह अक्टूॅबर में संचालित संचारी रोग अभियान की प्रगति की समीक्षा किया तथा डेंगू से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया। आपरेशन कायाकल्प की समीक्षा करते हुए उन्होने निर्देश दिया कि विद्यालय में किसी प्रकार की टूट–फूट की तत्काल मरम्मत करायी जाय। जलनिगम से तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त करके ही इण्डिया मार्क टू हैण्डपम्प रीबोर कराया जाय। दो माह से अधिक 10 कोटे की दुकान रिक्त चल रही है, इसी माह में इसका व्यवस्थापन पूर्ण कराये। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की स्थापना में 539 के सापेक्ष 576 ऋण आवेदन पत्र स्वीकृत किए गये है, परन्तु मात्र 332 लोन वितरित किये गये है। उन्होने सभी स्वीकृत ऋण आवेदन पत्रों के सापेक्ष बैंको से समन्वय स्थापित करके शतप्रतिशत ऋण वितरण का कार्य 15 दिन में पूरा कराने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने नयी सड़को का निर्माण, पुल का निर्माण, सोलर, फोटोवोल्टाइक सिंचाई पम्प, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, निराश्रित गोवंश को संरक्षित करना, पशु टीकाकरण एंव उनकी इयरटैगिंग, सामुदायिक शौचालय का निर्माण, राज्य औद्यानिक मिशन, वृद्धावस्था, विधवा एंव दिव्यांग पेंशन, आईसीडीएस, गन्ना मूल्य भुगतान आदि योजनाओं की समीक्षा किया तथा समय से लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक का संचालन जेडीसी पद्मकान्त शुक्ल ने किया। बैठक में जिलाधिकारी बस्ती श्रीमती प्रियंका निरंजन, सिद्धार्थनगर के संजीव रंजन, सीडीओ जयेन्द्र कुमार, डा. राजेश कुमार प्रजापति, अतुल मिश्रा, अपर निदेशक स्वास्थ्य डा. चन्द्रप्रकाश कश्यप, मुख्य अभियन्ता विद्युत पीयूष शुक्ला, संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी, उप निदेशक अर्थ एंव संख्या अमजद अली अंसारी, सिचांई के लवकुश सिंह, नलकूप के लक्ष्मीनारायण, जलनिगम के राजेन्द्र सिंह तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बच्चों का सर्वांगीण विकास डीएवी का लक्ष्य :महाप्रबंधक कुलश्रेष्ठ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बीजपुर डी एबी पब्लिक स्कूल रिहंदनगर के नामित अध्यक्ष अनिल कुमार कुलश्रेष्ठ महाप्रबंधक टीएस ने प्रादेशिक स्पोर्ट्स में विजय हासिल करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित करने के दौरान कहा कि डीएवी स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत–संकल्प है। यहां के विद्यार्थियों ने शैक्षिक योग्यता के साथ साथ संगीत नृत्य और खेलकूद के क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति की है। प्रादेशिक स्पोर्ट्स में उषा कुमारी ने डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक तथा गोला फेंकने में कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय तथा इस क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रादेशिक बास्केटबॉल अंडर–19 के बालक वर्ग और बालिका वर्ग कुमारी का राष्ट्रीय प्रतियोगिता दोनों में डीएवी रिंहदनगर उपविजेता रहा। डीएवी पब्लिक स्कूल एनटीपीसी रिहंदनगर के तेरह छात्र–छात्राओं का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। राष्ट्रीय स्तर की बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग से अफताब आलम, राहुल कुमार, आयुष प्रजापति, मयंक गुप्ता का तथा बालिका वर्ग से रानू कुमारी, काजल गुप्ता, अंशिका सिंह एवं कविता गुप्ता का चयन हुआ है। राष्ट्रीय स्तर की तैराकी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग से राजनंदन शर्मा, मनीषी आनन्द तथा बालिका वर्ग से यशी श्रीवास्तव एवं वैष्णवी आनन्द का चयन अपने आप में महत्त्व रखता है। महाप्रबंधक ने बताया कि डिस्कस थ्रो में उषा ओलंपिक का लक्ष्य रखकर के लिए चयन पूरे ऊर्जांचल के प्रयास करने की जरूरत है।

लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय और फिर उन्होंने सभी विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। प्राचार्य राजकुमार ने बताया कि पिछले तीन दिनों से विद्यालय में हर्षोल्लास का माहौल है। चौदह नवंबर को बालदिवस के शुभ अवसर पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की तस्वीर पर छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित करने के साथ साथ पंडित नेहरू के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। पंद्रह नवंबर को आदिवासी समाज से आने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं डीएवी आंदोलन के महान सेनानी महात्मा नारायण दास ग्रोवर जी की जयंती मनाई गई। महात्मा नारायण दास ग्रोवर ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा एवं नेपाल में दो सौ से भी अधिक डीएवी पब्लिक स्कूल की स्थापना कर शिक्षा की नई रोशनी जगाने का काम किया। आज जहां इन विद्यालयों में लाखों छात्र अध्ययन कर रहे हैंय वहीं हजारों शिक्षित युवाओं को रोजगार भी मिला है। भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत जीवन दर्शन देने वाली नैतिक शिक्षा और धर्म शिक्षा के द्वारा छात्र छात्राओं में नैतिक मूल्य भरने का काम डीएवी पब्लिक स्कूल कर रहा है। ग्रोवर साहब की जयंती के अवसर पर प्राचार्य श्री राजकुमार के साथ शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं छात्र छात्र–छात्राओं ने ग्रोवर साहब की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात छात्र–छात्राओं द्वारा शिक्षाप्रद एवं देश भक्ति से ओत–प्रोत अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। प्राचार्य ने अपने संबोधन में बताया कि हमारे नामित अध्यक्ष अनिल कुमार कुलश्रेष्ठ ने विद्यालय के छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें आगे बढ़ने की जो प्रेरणा दी है वह अभूतपूर्व है। प्राचार्य ने बताया कि एनटीपीसी रिहंदनगर में महाप्रबंधक टी एस के पद पर पदस्थापित कुमार कुलश्रेष्ठ भारतीय संस्कृति के अत्यंत जानकार एवं गीता के मर्मज्ञ विद्वान भी हैं। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन और प्रकाशन भी किया है। विद्यालय परिवार उनको अपने अध्यक्ष के रूप में पाकर धन्य महसूस कर रहा है। उनकी आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास विद्यालय परिवार करेगा। आज के कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

श्रावस्ती सांसद लोगों की समस्या सुनकर निदान कराते हुए

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। श्रावस्ती के लोकप्रिय सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा ने कहा कि अधिकारीगण जनसमस्याओं का

निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें। गरीब बेसहारा लोगों के उत्पीड़न की शिकायत को पुलिस गंभीरता से लें और पीड़ित मानवता की सेवा की भावना के साथ जन शिकायतों को निस्तारित कराएं। यह बातें श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र आवासीय कार्यालय पर जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए श्रावस्ती सांसद ने कही। उन्होंने बताया कि पिछड़ा जनपद होने के कारण श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र के बलरामपुर में काफी समस्याएं हैं विकास की असीम संभावनाएं हैं कृषि पर आधारित क्षेत्रवासियों का जीवन निर्भर है उद्योग धंधों की कमी है जिससे लोकसभा क्षेत्र श्रावस्ती के बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है लघु एवं कुटीर उद्योग धंधों का विस्तार इस लोकसभा क्षेत्र में आवश्यक है भारत नेपाल बॉर्डर से सटे श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र भिनगा के अंतर्गत मल्हीपुर जमुनहा, ब्लाक सिरसिया एवं बलरामपुर जिले के विकास खंड पचपेड़वा इलाकों में वनों पर आधारित उद्योग को विकसित कर बेरोजगारी गरीबी को दूर किया जा सकता है। इसके लिए शीतकालीन सत्र में लोकसभा में आवाज उठाई जायेगी। लोकसभा क्षेत्र श्रावस्ती के विकास के लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं।

पॉक्सो एक्ट के दोषी छोटू उर्फ निजाम खान को 5 वर्ष की कैद – 40 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद

सोनभद्र। पांच वर्ष पूर्व 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए छेड़छाड़ के मामले में अपर सत्र न्यायाधीशधविशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी छोटू उर्फ निजाम खान को 5 वर्ष की कैद एवं 40 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि 40 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक बभनी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय नाबालिग पीड़िता ने 10 नवंबर 2017 को बभनी थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 9 नवंबर 2017 को रात्रि 10 बजे बभनी थाना क्षेत्र के चपकी गांव निवासी छोटू उर्फ निजाम खान पुत्र अब्दुल मोबिन खान दरवाजा खुला था और घर में घुस आया और उसके साथ जबरन छेड़छाड़ करने लगा। चीखने– चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी माँ आ गई तो वह छोड़कर भाग गया। इस तहरीर पर बभनी पुलिस ने छेड़खानी व पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया।

विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में छोटू उर्फ निजाम खान पुत्र अब्दुल मोबिन खान निवासी चपकी, थाना बभनी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी छोटू उर्फ निजाम खान को 5 वर्ष की कैद एवं 40 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की समूची धनराशि 40 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि,सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह एडवोकेट ने बहस की।

ज्योत्सना महिला समिति ने सीईटीआई संस्कार केंद्र में बच्चों को बांटी स्टेशनरी

सोनभद्र। नॉदर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) मुख्यालय के अन्तर्गत आने वाली ज्योत्सना महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती बिन्दु सिंह ने सीईटीआई संस्कार केंद्र के बच्चों में स्टेशनरी व पठन सामग्री का वितरण किया। इस दौरान लगभग 40 बच्चों को ड्राइंग कॉपी, पेन, पेंसिल, कलर बॉक्स, कटर, रबर सहित अन्य आवश्यक सामग्रियाँ दी गई। इसके साथ ही बच्चों में चॉकलेट, चिप्स व बिस्किट इत्यादि भी बांटे गए। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्षा बिन्दु सिंह ने सभी बच्चों से देर तक संवाद किया और उन्हें मन लगाकर पढ़ने को प्रेरित किया द्य उन्होंने सभी बच्चों से हिन्दी व अँग्रेजी वर्णमाला, गिनती, पहाड़े, कवितायें इत्यादि सुनी। श्रीमती सिंह ने सभी बच्चों से अपने घर के भीतर व बाहर साफ–सफाई रखने तथा सर्दी के दौरान पूरे कपड़े पहनने के बारे में भी समझाया। अध्यक्षा श्रीमती सिंह ने बच्चों को शिक्षित करने के लिए संस्कार केंद्र की संचालिका के प्रयासों की भी सराहना की और भविष्य में भी समिति की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

नर्सिंग की छात्रा को दिया आर्थिक सहयोग : ज्योत्सना महिला समिति की अध्यक्षा बिन्दु सिंह ने नर्सिंग का कोर्स कर रही छात्रा को पुस्तकें खरीदने के लिए आर्थिक सहयोग किया। छात्रा पढ़ाई लिखाई में काफी होनहार है और नर्सिंग के अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। कार्यक्रम के दौरान ज्योत्सना महिला समिति की सचिव श्रीमती मंजू राठी, संयुक्त सचिव राधा गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती मोना मेहरा तथा अन्य वरिष्ठ सदस्याएं उपस्थित रहीं। गौरतलब है कि ज्योत्सना महिला समिति आस–पास के क्षेत्र में बच्चों की पढ़ाई लिखाई एवं विकास के क्षेत्र में लगातार सक्रियता से कार्य कर रही है।

अजय ने तस्लीम को ब्लड डोनेट कर पेश की इंसानियत की मिसाल

दुद्धी, सोनभद्र। रक्तदान महादान होता है, धीरे–धीरे लोग इसका महत्व समझने लगे हैं और रक्तदान के प्रति जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। वृहस्पतिवार को नगर के सीएचसी में इसका ज्वलंत प्रमाण उस समय देखने को मिला जब कस्बे के वार्ड नं.7 रामनगर निवासी 4 वर्षीय आशिया पुत्री तस्लीम को गंभीर बीमारी के कारण ब्लड की जरूरत पड़ गई। नगर निवासी समाजसेवी राजू शर्मा के अनुरोध पर उसी वार्ड के अजय चंद्रवंशी शिंटूश् पुत्र गोपाल चंद्रवंशी निवासी कृषि मंडी ने महादानी बनकर खुशी–खुशी अपना ब्लड दिया। आशिया के मां–बाप की आंखे अजय का शुक्रिया अदा करते नम हो गई।

कुंए में गिरने से अधेड़ की मौत

सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के आरंगपानी गांव निवासी एक अधेड़ व्यक्ति की बुधवार की रात्रि में जगत विहीन कुंए में गिरने से डूबने से मौत हो गयी,काफी देर तक घर न पहुचने पर परिजन ढूढने लगे इसी दौरान कुंए में गिरे होने की जानकारी हुई,परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी धर्मदेवपुत्र कन्हइया 55वर्ष रात्रि में किसी कार्य से घर से 200 मीटर दूर स्थित जगत विहीन कुंए पर गए,इसी दौरान वे कुंए में गिर गए,काफी देर तक वापस न आने पर परिजनों द्वारा खोजने के दौरान कुंए में गिरे होने की जानकारी होते की कोहराम मच गया,सुबह पुत्र संतोष कुमार ने घटना की सूचना पुलिस को दी,एस आई तेरसू सिंह यादव मय हमराही घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में ले कर अंत्यपरीक्षण के लिए दुद्धी भेज दिया। पुत्र ने पिता की हत्या की आशंका व्यक्त की है।

निकाय चुनाव को लेकर एसडीएम ने की बैठक

सोनभद्र। नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने को लेकर एसडीएम दुद्धी शैलेंद्र मिश्र ने गुरुवार को सीओ पिपरी व दुद्धी सहित अन्य अधिकारियों के साथ तहसील कार्यालय में एक बैठक किया। बैठक में मुख्य रूप से प्रशासन अपनी समस्त तैयारियों को समय से पूर्ण तरीके से निपटने के लिए अपनी कमर को कस लिया है। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ–साथ पुलिस अधिकारी भी मतदान केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। मतदान केंद्रों के आने–जाने वाले रास्तों, उन पर बिजली, पानी, शौचालयों, आदि को लेकर तैयारियां पूर्ण की जा रही है। एसडीएम शैलेंद्र मिश्र ने कहा कि जल्द ही सभी मतदान केंद्रों को पूर्ण रूप से तैयार कर लिया जाएगा। साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। चुनाव में दखलंदाजी करने वालों को कतई नहीं बख्सा जाएगा। बैठक के दौरान तहसीलदार दुद्धी ब्रजेश वर्मा, सीओ पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल, सीओ दुद्धी आशीष मिश्रा, कोतवाल श्रीकांत रॉय, अधिशासी अधिकारी दुद्धी भारत सिंह सहित अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सुरभि महिला समिति ने अमलोरी में लगाया स्वच्छता व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

सोनभद्र। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के अमलोरी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा किरण झा के मार्गदर्शन में अमलोरी क्षेत्र में कार्यरत संविदा सफाई कर्मियों के लिए "शारीरिक स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर" का आयोजन किया गया। इस दौरान अमलोरी क्षेत्र के डॉ० मनिन्दर सिंह ने शिविर में उपस्थित 40 संविदा कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता व अन्य महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया। इस दौरान सभी को स्वास्थ्य किट (टूथ पेस्ट, ब्रश, जीभी, नहाने का साबुन, शैंपू, वॉशिंग पाउडर और बैंडेड इत्यादि का वितरण किया गया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन कर सही उत्तर देने वाले 06 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया और साथ ही उपस्थित सभी कर्मियों को स्वल्पाहार भी दिया गया। कार्यक्रम मे समिति की अन्य सदस्याएँ भी उपस्थित रहीं।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

लूट के प्रयास में वांछित अभियुक्तको कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर।कोतवाली थाना क्षेत्र में लूट के प्रयास के आरोप में वांछित अभियुक्त को प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 आशीष कुमार यादव मय हमराह अधिकारी कर्मचारीगण द्वारा मोहल्ला दीवान बाजार थवई के पुल के पास से अभियुक्त जैन कमर पुत्र मन्जूर कमर निवासी भरपुरवा थाना तिवारीपुर गोरखपुर और तीन अन्य अज्ञात व्यक्ति द्वारा शाहमारूफ चेतना तिराहे पर स्थित वादी के लडके की दुकान मॉडल बेल्ट हाउस पार्को बैग से वादी द्वारा दुकानदारी का पैसा घर लेकर जाते समय रास्ते में बोरा पहनाकर लूटने का प्रयास किया गया था तथा चिल्लाने पर आस पास के लोगों के आ जाने पर भाग जाया गया था जिसके संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 316ध्22 पंजीकृत किया गया था।जिससे संबंधित नामजद अभियुक्त जैन कमर पुत्र मन्जूर कमर निवासी भरपुरवा थाना तिवारीपुर गोरखपुर को गिरफ्तार किया गया.अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जमीनी विवाद में लाठी डंडे से जमकर मारपीट, तीन रेफर

बड़हलगंज। कोतवाली क्षेत्र के खोहियापट्टी गांव मे जमीनी विवाद को लेकर जमकर हुई मारपीट में चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। चिकित्सकों ने तीन की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया हैं। पुलिस को दिए तहरीर मे खोहियापट्टी गांव निवासी डॉ संजय यादव पुत्र जगदीश यादव ने कहा है कि गांव में मेरा बाग है उसके बगल में गांव के ही अमेरिकन गुप्ता का खेत है। गुरूवार की सुबह उनके पुत्रों ने जबरदस्ती हमारे बाग का कुछ हिस्सा जोत लिया। जिसका विरोध करने पर अमेरिका की पत्नी व बेटी ने धोखे से हमारे आंख में पीसी मिर्च डाल दी जबतक हमलोग संभलते उनके पुत्रों ने लाठी, डंडे आदि से हम लोगों पर हमला बोल दिया। जिससे डा. संजय यादव, निरंजन, लल्लन व खुशबू बुरी तरह घायल हो गयी। चारों को सीएचसी बड़हलगंज लाया गया जहा प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सिकों ने डा संजय यादव, निरंजन यादव ल लल्लन यादव को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। खुशबू को उपचार के बाद घर भेज दिया गया। तहरीर लेकर पुलिस कानूनी कार्रवाई में लगीं हैं।

महाविद्यालय में मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा 22 नवम्बर से 1 दिसंबर तक

सोनभद्र। स्थानीय भाऊ राव देवरस राजकीय महाविद्यालय में विभिन्न विषयों की मौखिक एवं प्रेक्टिकल परीक्षाएं 22 नवम्बर से 1 दिसंबर तक होगी।उक्त आशय की जानकारी देते हुए परीक्षा प्रभारी डॉ रामसेवक सिंह यादव ने बताया कि बीएससी प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर की रसायन विज्ञान की प्रेक्टिकल परीक्षाएं 22 नवम्बर से 24 नवम्बर के बीच होगी। इसी तरह एम ए समाजशास्त्र द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर की मौखिक परीक्षा 28 नवंबर को होगी। बीए प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के समाजशास्त्र विषय की मौखिक परीक्षा 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगी। उन्होंने बताया कि समाजशास्त्र की मौखिक परीक्षा निर्धारित तिथि को सुबह 9 बजे से तथा रसायन विज्ञान की प्रेक्टिकल परीक्षा निर्धारित तिथि को सुबह 10 बजे से होगी।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

कई मेकअप और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का विकल्प बन सकता है कंसीलर, जानिए तरीके

कंसीलर एक मेकअप प्रोडक्ट है। इसका इस्तेमाल आंखों के काले घेरे, चेहरे के दाग–धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी खामियों को छिपाने में मदद करता है। हालांकि, इसका इस्तेमाल सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। आप चाहें तो कई तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स के विकल्प के तौर पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए आज कंसीलर से जुड़े पांच बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

अपने होंठो को उभरा हुआ दिखाएं

आजकल बाजार में कई ऐसे लिप प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल होंठो को उभरा हुआ दिखाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, अगर आप बिना किसी परेशानी के अपने होंठों को उभरा हुआ दिखाना चाहते हैं तो इसके लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। सबसे पहले अपने होठों पर हाइड्रेटिंग लिपबाम लगाएं। इसके बाद अपनी लिप लाइन पर कंसीलर का इस्तेमाल करें और ब्रश की मदद से इसे ब्लेंड करें। अब अपने होठों पर लिपस्टिक लगाएं।

आईशैडो बेस के रूप में करें इस्तेमाल

कुछ आईशैडो के रंग पलकों पर ढंग से लगते ही नहीं है, लेकिन आप चाहें तो कंसीलर की मदद से इस काम को भी आसान बना सकते हैं। इसके लिए अपनी पलकों पर कंसीलर की एक पतली परत लगाएं और इसे किसी मेकअप ब्रश या स्पंज से अच्छी तरह ब्लेंड करें। इसके बाद एक न्यूड आईशैडो को अपनी पलकों पर लगाएं, फिर इसके ऊपर अपना पसंदीदा आईशैडो रंग लगाएं।

बतौर कंटूरिंग क्रीम आएगा काम

कंटूरिंग को मेकअप का बेस माना जाता है। इसके जरिए चेहरे को एक स्लिम और परफेक्ट लुक दिया जा सकता है। हालांकि, अगर आप महंगी कंटूरिंग क्रीम में निवेश नहीं करना चाहते हैं तो डार्क शेड के कंसीलर से कंटूरिंग का काम भी कर सकते हैं। इसके लिए अपनी त्वचा की टोन से एक या दो शेड गहरे रंग का कंसीलर चुनें और इसे अपनी नाक, जॉ लाइन और चीकबोन्स पर लगाकर मेकअप स्पंज से ब्लेंड करें।

हाइलाइटर के तौर पर करें इस्तेमाल

हाइलाइटर चेहरे के बेस्ट फीचर्स को हाइलाइट करने और उसकी कुछ खामियों को छिपाने में मदद करता है। अगर आपके पास हाइलाइटर नहीं है तो आप कंसीलर की मदद से भी अपने चेहरे को हाइलाइच कर सकते हैं। इसके लिए अपनी त्वचा की रंगत से एक या दो शेड हल्के कंसीलर का इस्तेमाल करें। यकीनन इससे आपको नेचुरल ग्लो मिलेगा।

टिंटेड मॉइस्चराइजर के रूप में करें प्रयोग

आप कंसीलर का इस्तेमाल टिंटेड मॉइस्चराइजर के रूप में भी आसानी से कर सकते हैं। हालांकि, कंसीलर का कवरेज टिंटेड मॉइस्चराइजर से अधिक होता है और इसे सीधे अपने चेहरे पर लगाने से यह त्वचा पर पैची दिख सकता है। ऐसे में कंसीलर को टिंटेड मॉइस्चराइजर के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए पहले कंसीलर को एक मॉइस्चराइजर के साथ मिलाएं और फिर इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं।

फोटोशूट के लिए निक्की तंबोली ने पहनी बेहद डीपनेक ड्रेस

निक्की तंबोली टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। एक्ट्रेस हर बार अपने लुक्स और बोल्ड फिगर के कारण सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने

लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में निक्की तंबोली बेहद ही सेक्सी कर्वस फ्लॉन्ट करते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। अभिनेत्री हर बार अपनी सेक्सी अदाओं का जादू फैंस में इस कदर चलाती हैं कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपने स्टनिंग लुक्स से फैंस को इस कदर अपना दीवाना बना देती हैं कि फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट लुक से एक बार फिर फैंस को हैरान कर दिया है। इन तस्वीरों में अभिनेत्री निक्की तंबोली बेहद ही सुपबोल्ड लुक्स में सेक्सी कर्वस फ्लॉन्ट करते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। हद से ज्यादा डीप नेक ड्रेस गाउन पहन कर निक्की तंबोली काफी शानदार लग रही हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली का लुक फैंस को बेहद ही पसंद आ रहा है। ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के उन्होंने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने कैप्शन शेयर करते हुए लिखा है– हीटवेव से भी ज्यादा हॉटर। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि एक्ट्रेस निक्की की इन तस्वीरों पर भी एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है– वट ए ब्यूटी तो वही दूसरे यूजर ने लिखा है– हॉटनेस ब्यूटी गर्ल।

कैसी ये यारियां 4 में माणिक और नंदिनी के प्यार की होगी नई शुरूआत

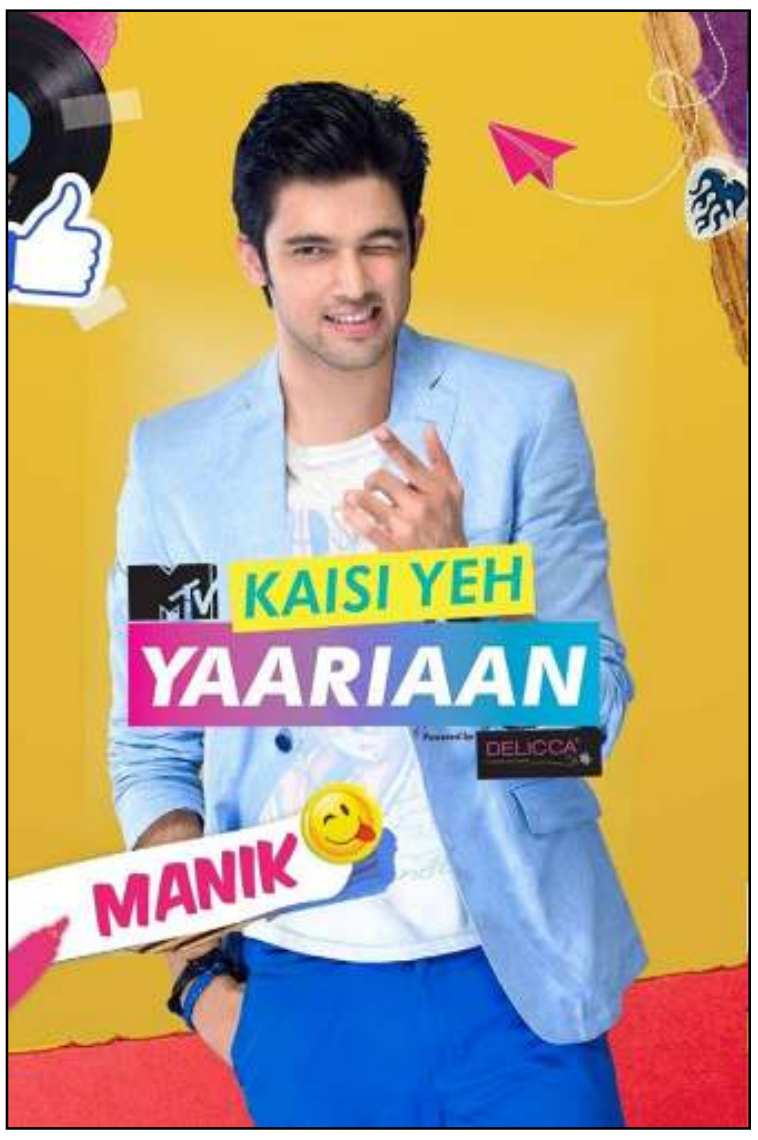

टेलीविजन शो कैसी ये यारियां, जो अपने तीसरे सीजन के लिए स्ट्रीमिंग हुई, अपने चौथे किस्त के साथ फिर से डिजिटल माध्यम पर लौट रही है। इस शो ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय युवाओं के बीच एक कल्ट स्टेटस हासिल किया है।

नए सीजन में अपने मूल कलाकारों के अलावा कई नए चेहरों को शामिल किया गया है, क्योंकि यह माणिक (पार्थ समथान द्वारा अभिनीत) और नंदिनी (नीति टेलर बावा द्वारा अभिनीत) के एक नए युग में आगे बढ़ रहा है।

शो के मुख्य किरदार निभाने वाले पार्थ समथान ने अपने विचार व्यक्त किए। कैसी ये यारियां हमेशा प्यार के बारे में रही है, और इस सीजन में, प्रशंसकों को माणिक और नंदिनी की प्रेम कहानी के एक नए चरण का अनुभव होगा। शो को बिना शर्त दर्शकों का प्यार मिला है, एक दशक से अधिक समय से, और मैं इसका इतना अभिन्न अंग बनकर विनम्र महसूस कर रहा हूं।

कहानी का फोकस माणिक और नंदिनी की आधुनिक परी कथा प्रेम कहानी पर है। चौथा सीजन माणिक और नंदिनी की यात्रा का अनुसरण करता है जब वे एक दूसरे से हमेशा के लिए वादा करते हैं। इस सीजन की कहानी का केंद्रीय संघर्ष यह है कि कैसे युगल प्यार के माध्यम से अपना रास्ता बनाते हैं, एक बिगड़े हुए रिश्ते की चुनौतियां और कई तरह के मूड जो युवा और प्रेरित होने के साथ आते हैं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नीति टेलर बावा ने कहा कि नए सीजन के लॉन्च से पहले, नंदिनी का किरदार हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा। मुझे विश्वास है कि हमारे प्रशंसक नंदिनी और माणिक की प्रेम कहानी से पहले से भी ज्यादा जुड़ पाएंगे। मैं शुरू से ही इस प्रतिष्ठित शो का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं और हैशटैग–मानन के लिए हमें जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए आभारी हूं। उन्होंने आगे कहा, प्यार और आराधना वास्तव में मेरी कल्पना से परे है। इस सीजन में प्यार, ड्रामा, जुनून और जटिलताएं अधिक होंगी, और मैं दर्शकों की इस पर प्रतिक्रिया देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। मुझे उम्मीद है कि यह सीजन भी , उसी प्यार और उत्साह से बरसा है जो शो को हमेशा से मिला है। इसके अतिरिक्त, नए सीजन में किश्वर मर्चेंट, अयाज खान और मेहुल निसार, आयुष शौकिन, सागर पारेख, जान्या खंडपुर और पलाश तिवारी भी सहायक भूमिकाओं में हैं, जो अधिक दिलचस्प और ड्रामा पैदा करते हैं। कैसी ये यारियां 2 दिसंबर, 2022 से वूट पर स्ट्रीम होगी।

कार्ति–स्टारर सरदार 18 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी

निर्देशक पी.एस. मिथुन की सुपरहिट स्पाई थ्रिलर सरदार 18 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी, जिसमें कार्ति मुख्य भूमिका

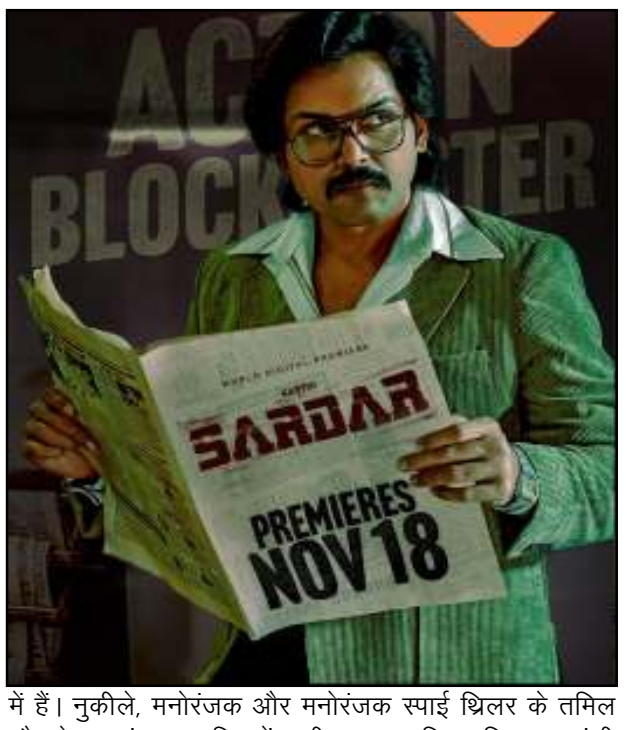

में हैं। नुकीले, मनोरंजक और मनोरंजक स्पाई थ्रिलर के तमिल और तेलुगु संस्करण, जिसमें राशी खन्ना, राजिशा विजयन, चंकी पांडे और लैला भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर रिलीज होगी। सरदार विजय प्रकाश (कार्थी) के इर्द–गिर्द घूमती है, जो प्रचार का भूखा पुलिस वाला है, जिसे देशद्रोही का बेटा होने का भूत सताता है। विजय प्रकाश के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ तब आता है जब जल निकायों के निजीकरण के खिलाफ अभियान चलाने वाली कार्यकर्ता समीरा (लैला) की रहस्यमय तरीके से मौत हो जाती है। विजय प्रकाश झूठ और धोखे के एक जटिल जाल का पता लगाने के लिए हत्यारों का पता लगाने की कोशिश करता है। वह स्थिति की गंभीरता को समझते हैं और समझते हैं कि इससे देश खतरे में पड़ सकता है। इसके केंद्र में राठौड़ है, जो एक दुष्ट व्यापारी (चंकी पांडे) है। विजय प्रकाश को पता चलता है कि एकमात्र व्यक्ति जो राठौर की नापाक योजनाओं को विफल कर सकता है, वह उसका सुपर जासूस पिता (कोडनाम सरदार) है, जो निर्वासन में रह रहा है ..फिल्म में दोहरी भूमिका निभाने वाले कार्ति ने कहा, एक रहस्यपूर्ण कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए सरदार का हिस्सा बनने का सबसे बड़ा आकर्षक कारण था। मैं उत्साहित हूं कि अब दर्शकों का एक नया आधार अहा पर तमिल और तेलुगु में फिल्म देखेगा।

सेहत ही नहीं स्किन के लिए भी बेहतरीन है अनार, इस तरह करें इस्तेमाल

एक अनार सभी को बेहतरीन कर सकता है, यह तो आप जानते ही होंगे। जी दरअसल अनार एक सुपर फ्रूट है जो कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, हालाँकि क्या आपको पता है कि अनार मुलायम, चमकदार और हेल्दी स्किन के लिए भी एक नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट का काम करता है। जी हाँ और आज हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं। जी अनार विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, जिसका इस्तेमाल स्किन पर करने से चेहरा हाइड्रेटेड रहता है। इसी के साथ अनार में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज मौजूद होती हैं, जिसे आप फेस पैक के रूप में आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। आज के समय में बाजार में कई फ्रूट मास्क उपलब्ध है हालाँकि बाजार के फेस पैक और शीट मास्क के बजाय घर पर बने फेस मास्क का इस्तेमाल काफी फायदेमंद है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं अनार का इस्तेमाल आप कैसे ग्लोइंग स्किन के लिए कर सकते हैं।

स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए अनार और शहद

स्किन को लंबे समय तक हाइड्रेटेड रखने और मॉइश्चराइज करने के लिए अनार के दानों से एक स्मूद पेस्ट तैयार करके उसमें शहद मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। उसके बाद इसको चेहरे पर लगभग 30 मिनट तक लगाए रखें और बाद में ताजे पानी से साफ कर लें।

पिंपल्स के लिए अनार और ग्रीन टी फेस पैक

पिंपल्स और मुहांसों से राहत चाहिए तो अनार के दानों को ग्राइंड करके उसमें दो चम्मच दही एक बड़ा चम्मच शहद और ग्रीन टी का एक छोटा पैकेट मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। उसके बाद इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर कम से कम 30 मिनट के लिए लगाए रखे और बाद में 5 से 10 मिनट मसाज करके ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें।

अनार और कोको पाउडर से बनाएं एंटीएजिंग फेस मास्क

अनार और कोको पाउडर का इस्तेमाल करने से स्किन टाइट और जवां रहती है। इस्तेमाल करने के लिए अनार के दानों का स्मूद पेस्ट बनाकर उसमें कोको पाउडर को पानी से मिक्स कर लें। उसके बाद इस फेस मास्क को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और सूखने के बाद ठंडे पानी से साफ करें।